दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-336 भोपाल, रविवार 17 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

जितने की इच्छा सभी में होती है मगर जितने के लिए तैयारी करने की इच्छा बहुत कम लोगों में होती है

विंस

पंचांग

आश्विन शुक्ल पक्ष
द्वादशी, रविवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:18/5:54
वर्षा/बादल %	13 %
नमी %	52 %
वायु (किमी/घं.)	11
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	33°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 49,460

अमेजन पर अमेरिका में अटैक : सीनेटर ने उठाई दिग्गज ऑनलाइन रिटेलर को कई कंपनियों में तोड़ने की मांग

» दूसरे लॉमेकर ने कहा- गड़बड़ियों के लिए बेजोस भी ठहराए जाएं जिम्मेदार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एक अमेरिकी सीनेटर ने अमेजन को कई कंपनियों में बांटने की मांग उठाई है। हाउस ऑफ रेप्रेजेंटिटिव के एक मेंबर भी जेफ बेजोस की कंपनी पर हमलावर हो रहे हैं। वह तो कारोबारी तौर-तरीकों में गड़बड़ियों के लिए अमेजन और बेजोस को जिम्मेदार ठहराए जाने की मांग कर रहे हैं। दोनों ने यह बात तब उठाई, जब इसी हफ्ते कंपनी के कारोबार के गलत तौर-तरीके अपनाने का खुलासा करने वाली एक मीडिया रिपोर्ट आई। मीडिया आउटलेट रॉयटर्स ने अमेजन के सैकड़ों इंटरनल पेपर की जांच में पाया है कि दिग्गज अमेरिकी ऑनलाइन रिटेलर इंडिया में दूसरी कंपनियों के प्रॉडक्ट की नकल करके प्राइवेट ब्रांड बना रही है। इसके अलावा अमेजन यहां अपने प्लेटफॉर्म पर प्रॉडक्ट्स के सर्च रिजल्ट में हेरफेर भी कर रही है। इन बातों को लेकर अमेरिकी सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने अमेजन को तोड़कर कई कंपनियों में बांटने की मांग उठाई है।

कंपनी छोटे कारोबारियों को नुकसान पहुंचाने में सक्षम

इस बाबत एलिजाबेथ वॉरेन ट्विटर पर लिखती हैं, दस्तावेज अमेजन के एकाधिकार को लेकर हमारे डर को सही साबित कर रहे हैं। कंपनी मुनाफा बढ़ाने के लिए छोटे कारोबारियों और उद्यमियों को नुकसान पहुंचाते हुए अपने प्लेटफॉर्म पर घपले करने में सक्षम है और इसके लिए तैयार भी है। इसे तोड़े जाने की मांग उठाए जाने की ऐसी कई वजहें हैं।

- इंडिया में दूसरी कंपनियों के प्रॉडक्ट की नकल करके प्राइवेट ब्रांड बना रही है
- भारत में अपने प्लेटफॉर्म पर प्रॉडक्ट्स के सर्च रिजल्ट में हेरफेर भी कर रही है
- स्वदेशी जागरण मंच ने देशवासियों से की है कंपनी का बहिष्कार करने की अपील

एंटी ट्रस्ट सब कमेटी के रिपब्लिकन मेंबर ने की आलोचना

वॉरेन 2019 में प्रेसिडेंट पोस्ट की उम्मीदवारी के लिए चुनाव में उतरी थीं। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान अमेजन और दूसरी दिग्गज टेक कंपनियों को तोड़े जाने की बात उठाई थी। अमेजन से जुड़ी खबरों पर हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव्स के रिपब्लिकन मेंबर केन बक ने भी कमेंट किया है। वह एंटी ट्रस्ट (अमेरिकी कॉम्पिटिशन रेगुलेटर) सब-कमेटी में पार्टी के मेंबर हैं।

बेजोस ने पिछले साल संसद की सब-कमेटी के सामने बयान दिया था

अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस ने पिछले साल संसद की एंटी ट्रस्ट सब-कमेटी के सामने बयान दिया था कि कंपनी प्राइवेट लेबल बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए अपने एंप्लॉयी को सेलर्स के डेटा का दुरुपयोग करने से रोकती है। 2019 में कंपनी के एक एग्जिक्यूटिव ने भी संसद में कहा था कि अमेजन प्राइवेट लेबल बनाने या सर्च रिजल्ट में उनको आगे रखने के लिए कॉम्पिटिटर्स के डेटा यूज नहीं करती। लेकिन रॉयटर्स ने पड़ताल में इसका उलटा पाया। रिपोर्ट आने के अगले दिन 14 अक्टूबर को अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन और कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स ने प्राइवेट लेवल बनाने के लिए कॉम्पिटिटर की नकल करने, सर्च रिजल्ट में हेरफेर करने और इंडियन ब्रांड्स को बर्बाद करने का आरोप लगाया था।

पंपोर में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को मार गिराया

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पंपोर में सुरक्षाबलों ने शनिवार को एनकाउंटर में 2 आतंकी मार गिराए हैं। मारे गए एक दहशतगर्द की पहचान उमर मुस्ताक खांडे के तौर पर हुई है। वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। कश्मीर जोन पुलिस ने बताया कि खांडे श्रीनगर के बघाट में 2 पुलिसकर्मियों (स्द्दष्टञ्ज मोहम्मद यूसुफ और ष्टह्ल सुहैल आह) की हत्या में शामिल था। साथ ही वह अन्य आतंकी गतिविधियों का भी हिस्सा रहा है। सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है।

लखबीर की हत्या के आरोपी निहंग सरबजीत को 7 दिन की पुलिस रिमांड

नई दिल्ली। बेअदबी के आरोप के बाद लखबीर की हत्या के मामले में आत्मसमर्पण करने वाले आरोपी सरबजीत सिंह को पुलिस ने शनिवार को इलाका कोर्ट में पेश किया। अदालत ने एक घंटे तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी निहंग सरबजीत को 7 दिन के रिमांड पर भेज दिया है। सीआईए प्रभारी इंस्पेक्टर योगेंद्र ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया और रिमांड की मांग की थी। अदालत ने इस मांग को मंजूर कर लिया है। पुलिस वारदात में शामिल रहे कुछ और निहंगों की पहचान कर चुकी है। उनकी धरपकड़ के प्रयास जारी हैं।

लद्दाख के दौरे पर वायु सेना प्रमुख वीआर चौधरी

नईअ्दिल्ली। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी शनिवार को लद्दाख के फॉरवर्ड एरिया के दौरे पर हैं। चौधरी यहां तैनात जवानों की ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लेंगे। वीआर चौधरी आज सुबह लेह एयरबेस पहुंचे और LAC के पास अग्रिम इलाकों में तैनात वायु सेना के जवानों और विशेष बलों के साथ बैठक करेंगे। वायुसेना प्रमुख ने पूर्वी लद्दाख सेक्टर के ऊपर मिग-29 लड़ाकू जेट विमानों में खुद उड़ान भरी थी, जब वह पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख थे।

बांग्लादेश में नहीं थम रहा हिन्दू मंदिरों पर हमला

इस्कॉन और काली मंदिर में तोड़फोड़, 1 की मौत; हसीना की चेतावनी का नहीं हुआ असर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों पर हमला नहीं रुक रहा है। शुक्रवार को भीड़ ने नाओखाली में इस्कॉन मंदिर में तोड़फोड़ की। मंदिर की समिति ने यह दावा भी किया है कि 200 लोगों की भीड़ ने इस्कॉन के एक सदस्य पार्थो दास को बेरहमी से मार डाला, जिनका शव मंदिर के पास वाले तालाब में मिला। शुक्रवार को नाओखाली जिले में ही बेगमगंज इलाके में जतन कुमार साहा नाम के एक शख्स को मार डाला गया, जबकि 17 लोग घायल हुए। वहीं शनिवार को दंगाइयों ने मुंशीगंज में दानियापारा महा शोशन काली मंदिर में घुसकर 6 मूर्तियां तोड़ डालीं। हमला शनिवार सुबह 3 से 4 बजे के बीच हुआ। मंदिर में कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी, इसलिए हमलावर बिना किसी डर के मूर्तियों को खंडित कर पाए। इस हमले में किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

बुधवार से हो रहे हिन्दू मंदिरों पर हमले

दानियापारा के महासचिव शुब्रत देव नाथ वासु ने बताया कि मंदिर का ताला टूटा हुआ था और टीन की छत भी कटी हुई थी। उन्होंने कहा कि मंदिर में ऐसी घटना इससे पहले कभी नहीं हुई। बांग्लादेश में लगातार हिंदू मंदिरों पर हुए हमले हो रहे हैं। एक दिन पहले चिट्टागांव के कोमिला इलाके में दुर्गा पंडालों पर हुए हमलों में 4 लोगों की मौत हुई थी। सोशल मीडिया पर अफवाह उड़ी थी कि पूजा पंडाल में कुरान मिली है, जिसके बाद कई जगहों पर हिंसक घटनाएं हुईं। चांदपुर, चिट्?टागांव, गाजीपुर, बंदरबन, चपाईनवाबगंज और मौलवीबाजार में कई पूजा पंडालों में तोड़फोड़ की गई।

मांडविया पर भड़कीं मनमोहन सिंह की बेटी

अस्पताल के बेड पर लेटे पिता की तस्वीर पब्लिक होने पर बोलीं- मेरे पेरेंट्स चिड़ियाघर के जानवर नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बेटी दमन सिंह ने पिता के इलाज के दौरान की तस्वीर मीडिया में आने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। द टेलीग्राफ को दिए बयान में दमन सिंह ने कहा कि मेरे पेरेंट्स कठिन हालात का सामना करने की कोशिश कर रहे हैं। वे बुजुर्ग लोग हैं। चिड़ियाघर के जानवर नहीं हैं। दरअसल, मनमोहन सिंह का दिल्ली के एम्स में इलाज चल रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया शुक्रवार को उनकी हालचाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। मांडविया ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की। वहीं, न्यूज चैनलों पर कुछ वीडियो दिखाए गए, जिनमें मनमोहन सिंह बिस्तर पर लेटे हुए नजर आ रहे हैं और उनकी पत्नी गुरशरण कौर उनके पास खड़ी हैं।

दमन बोलीं- मेरी मां ने फोटो खींचने से मना किया था

दमन ने कहा, मेरे पिता का एम्स में डेंगू का इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर है, लेकिन उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है। हमने संक्रमण के जोखिम के कारण आने वालों पर रोक लगाई है। स्वास्थ्य मंत्री का आना और अपनी चिंता जताना अच्छा लगा। हालांकि, मेरे पेरेंट्स उस समय फोटो खिंचवाने की स्थिति में नहीं थे। मेरी मां ने जोर देकर कहा कि फोटोग्राफर को कमरे से बाहर जाना चाहिए, लेकिन उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। इसे लेकर वह बहुत परेशान थीं।

औरंगाबाद में 33 बाल कैदी फरार; खाना मिलने में देरी हुई तो तोड़फोड़ की, 2 सुरक्षाकर्मी घायल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

औरंगाबाद में 33 बाल कैदी फरार; खाना मिलने में देरी हुई तो तोड़फोड़ की, 2 सुरक्षाकर्मी घायल बिहार के औरंगाबाद में खाना मिलने में देरी होने पर बाल कैदियों ने शनिवार को जमकर बवाल किया। 33 बाल कैदी गेट तोड़कर प्लेस ऑफ सेफ्टी से फरार हो गए। हालांकि, इनमें से 15 कैदियों के वापस पकड़े जाने की सूचना है। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बभंडी में स्थित प्लेस ऑफ सेफ्टी का है। सूचना पर स्क्क और ष्ठरू मौके पर पहुंचे। फिलहाल फरार बाल कैदियों के बारे में अफसर कुछ नहीं बता रहे हैं। बताया जाता है कि सुबह से परिसर का माहौल तनावपूर्ण था। बाल कैदियों ने जमकर तोड़फोड़ भी की।

गूगल की रिपोर्ट : भारत में बढ़ रहे रैनसमवेयर अटैक, 140 देशों की लिस्ट में भारत 6वें पायदान पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

गूगल ने पिछले डेढ़ साल में जमा किए गए 8 करोड़ से ज्यादा रैनसमवेयर सैंपल का एनालिसिस किया है। इसके आधार पर भारत रैनसमवेयर से सबसे ज्यादा प्रभावित 140 देशों की लिस्ट में 6वें स्थान पर है। लगभग 600 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ इजराइल सबसे आगे रहा। इसके बाद दक्षिण कोरिया, वियतनाम, चीन, सिंगापुर, भारत, कजाकिस्तान, फिलिपींस, ईरान और च सबसे ज्यादा प्रभावित टॉप 10 देशों में शामिल हैं। गूगल ने ये आंकड़े वायरस टोटल की संख्या के आधार पर जारी किए हैं।

वायरस टोटल साइबर सिक्योरिटी कंपनी है वायरस टोटल, एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी है जो गूगल क्लाउड प्लेटफॉर्म का हिस्सा है। ये जून 2004 में लॉन्च किया गया, सितंबर 2012 में गूगल ने इसे अपना बना लिया था। वायरस टोटल के हेड डियाज का कहना है कि रैनसमवेयर-ए-ए-सर्विस ग्रुप गैंडक्रैब की वजह से 2020 की पहली दो तिमाहियों में रैनसमवेयर एक्टिविटी को सबसे ज्यादा देखा गया है।

2021 में ज्यादा मामले मिले

2020 में कम से कम 130 अलग-अलग रैनसमवेयर एक्टिव थे और 2021 की पहली छमाही में मैलवेयर के 30,000 ग्रुप मिले थे। जो समान रूप से दिखते और संचालित होते थे। इनमें से 100 रैनसमवेयर ऐसे हैं जिनकी एक्टिविटी कभी नहीं रुकती है। हमलावर अपने रैनसमवेयर को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए जाने-माने बॉटनेट मैलवेयर और अन्य रिमोट एक्सेस ट्रोजन सहित कई तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ज्यादातर मामलों में ये नए रैनसमवेयर सैंपल का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि गूगल का कहना है कि उसके गूगल क्रोम ओएस क्लाउड-फर्स्ट प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रोफेशन, एजुकेशन या कस्टमर की क्रोम ओएस डिवाइस पर रैनसमवेयर हमले नहीं हुए हैं।

क्या होता है रैनसमवेयर?

रैनसमवेयर एक तरह का मालवेयर होता है, जो आपके कंप्यूटर में घुसकर एक्सेस हासिल कर लेता है। वो आपकी सभी फाइल को एन्क्रिप्टेड कर देता है। डेटा और एक्सेस वापस देने के एवज में फिरौती की मांग करता है। आसान भाषा में इसे किडनैपिंग समझ सकते हैं। कोई लुटेरा आपके सिस्टम और डेटा को कैद कर लेता है और उसके बदले फिरौती मांगता है। फिरौती देने के बाद वो चाहे तो आपका डेटा वापस कर दे या उसे खत्म कर सकता है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी Classifieds वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY 29 STATES ATTENTION Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्वायर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680, 7611127324, 7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रुपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8 9 6 2 6 4 3 9 0 2, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्द्रीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Apparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class, pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345, 9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8 4 3 5 9 9 9 8 7 5 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया उद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउद्योग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोर्स, होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox'om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिंग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR TRAIN BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

खबर की खबर

देशभर में सैनिक स्कूलों से संबद्ध सरकारी व निजी क्षेत्र के 100 स्कूल खोले जाएंगे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप बच्चों को मूल्य आधारित शिक्षा देने के लिए देशभर में 100 स्कूल खोले जाएंगे। यह सभी स्कूल रक्षा मंत्रालय के मौजूदा सैनिक स्कूलों से संबद्ध होंगे।

पहले चरण में 100 स्कूलों को खोलने में राज्यों, एनजीओ और निजी भागीदारों की मदद ली जाएगी।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सैनिक स्कूल सोसाइटी के साथ संबद्ध होने वाले विद्यालयों को लांच करने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। दरअसल, सैनिक स्कूलों ने न केवल मूल्य आधारित उत्तम गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान की है बल्कि सैन्य नेतृत्व, प्रशासनिक सेवाओं,

न्यायिक सेवाओं तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता जैसे अन्य क्षेत्रों में भी बच्चों को शिक्षित किया है। इन्हीं वजहों से और अधिक संख्या में नए सैनिक स्कूल खोलने की मांग हमेशा बढ़ती रही है। अभी देशभर में 33 सैनिक स्कूल हैं जिनसे 100 नए संबद्ध सैनिक स्कूलों की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

रक्षा मंत्रालय की ओर बताया गया है कि यह स्कूल खोले जाने की पहली प्रक्रिया के तहत सैनिक स्कूल सोसाइटी से संबद्ध होने के लिए सरकारी, निजी स्कूलों और एनजीओ से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएंगे। इच्छुक और पात्र व्यक्ति https:ainikschool.ncog.gov.in के यूआरएल पर अपने आवेदन दे सकते हैं।

इस योजना से बच्चों को सैनिक स्कूल परिवेश में शिक्षा मिलने के साथ ही उनमें नई क्षमताओं का विकास होगा।

अकादमिक वर्ष 2022-23 की शुरुआत से तकरीबन 5,000 छात्रों के कक्षा-VI में ऐसे 100 संबद्ध स्कूलों में प्रवेश लेने की उम्मीद है। मौजूदा 33 सैनिक स्कूलों में कक्षा-VI में तकरीबन 3,000 छात्रों के प्रवेश की क्षमता है।

सैनिक स्कूलों से संबद्ध इन 100 स्कूलों के बारे में कल्पना की गई है कि इन स्कूलों के छात्र आवश्यक जीवन कौशल से शिक्षित होंगे जिससे वे अपने चयनित क्षेत्रों में उम्दा प्रदर्शन करेंगे। इस प्रकार इन स्कूलों का लक्ष्य राष्ट्रीय उद्देश्यों को सर्वोच्च वरीयता देने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए नेतृत्व गुणों के साथ आत्मविश्वासयुक्त, उच्च कौशलयुक्त, बहु-आयामी, देशभक्त युवा समुदाय तैयार करना होगा।

YES NO
BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

त्योहारी सीजन में प्रॉपर्टी मार्केट में बूम:मुंबई, कोलकाता एनसीआर में रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी में जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में देश के प्रॉपर्टी मार्केट में बूम है। मुंबई, कोलकाता और एनसीआर जैसे शहरों में घरों की बिक्री में जबरदस्त तेजी आई है। मुंबई में नवरात्रि के 9 दिनों में हर दिन 400 नए फ्लैट बिके हैं। प्रॉपर्टी के लिहाज से मुंबई देश का सबसे बड़ा मार्केट है। यहाँ त्योहारी सीजन की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में हुई है। स्टांप ड्यूटी में छूट की समाप्ति के बावजूद लोग घर खरीदने में जुटे हैं। होम लोन की ऐतिहासिक स्तर पर कम ब्याज दरें और बिल्डर्स द्वारा पेश किए गए फेस्टिव सीजन ऑफर ने घर खरीदारों को आकर्षित किया है। 7 अक्टूबर से शुरू हुई नवरात्रि में घरों की बिक्री में तेजी रही।

9 दिनों में मुंबई में 3,205 प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन:- नाइट फ्रैंक इंडिया के एक अध्ययन से पता चलता है कि 9 दिनों में मुंबई में कुल 3,205 प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन हुआ। इसके पहले अगस्त और सितंबर में रोजाना रजिस्ट्रेशन की दर 219 और 260 घरों की थी। महाराष्ट्र सरकार ने स्टाम्प ड्यूटी के रेट्स में काफी छूट प्रदान की थी हालांकि यह छूट 31 मार्च को समाप्त हो गई थी। इस छूट के दौरान मुंबई में जमकर घरों की बिक्री हुई। मार्च में जब यह छूट समाप्त हो गई और कोविड की दूसरी लहर चालू हुई तो घरों की खरीद फरोक्त बिल्कुल ठहर सी गई थी।

5 साल से त्योहारी सीजन में रियल्टी बाजार सुस्त था:- नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन शिशिर बैजल ने कहा कि लगभग 5 साल से त्योहारी सीजन रियल्टी बाजार के लिए मंदी वाला था। यह साल सबसे अच्छे सालों में से एक हो सकता है। यह देखना उत्साहजनक है कि स्टांप-ड्यूटी में छूट के बिना भी लोगों की घर खरीदने की इच्छा और मजबूत हुई है। आने वाले दिनों में प्रॉपर्टी मार्केट में और भी तेजी आ सकती है। इस साल जुलाई और अगस्त में कुल फ्लैट्स की बिक्री 2018 और 2019 की तुलना में अधिक थी। घर खरीदार कम ब्याज दरों और सस्ती प्रॉपर्टी का फायदा उठा रहे हैं। द गार्जियंस रियल एस्टेट एडवाइजरी के जॉइंट डायरेक्टर राम नाईक ने कहा कहा कि हमने पिछले आठ दिनों में अकेले 1,200 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के अपार्टमेंट बेचे हैं। इसमें से लगभग 750 करोड़ लग्जरी और सेमी-लग्जरी सेगमेंट से आए हैं।

टाटा पंच को 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग:एक्सीडेंट के वक्त बड़े और बच्चे रहेंगे ज्यादा सुरक्षित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टाटा मोटर्स की हाल ही में पेश की गई मिड साइज की SUV को ग्लोबल NCAP से ऐडल्ट्स की सुरक्षा के लिए 5-स्टार रेटिंग (16.453) और बच्चों की सुरक्षा के लिए 4-स्टार रेटिंग (40.891) मिली है। जनवरी 2020 में अल्ट्रोज और दिसंबर 2018 में नेक्सन के बाद नई पंच टाटा का तीसरा व्हीकल है जिसे 5 स्टार सिक्योरिटी रेटिंग मिली है।

टाटा पंच सिक्योरिटी फीचर्स

नई टाटा पंच को कंपनी ने एडवांस एजाइल लाइट फ्लेक्सिबिल एडवांस्ड आर्किटेक्चर पर बनाया गया है। पंच का लंबा स्टांस, हाई ग्राउंड क्लीयरेंस और ड्राइविंग पोजीशन यूजर को सड़क का एक कमांडिंग व्यू ऑफर करता है। पंच सिक्योरिटी फीचर्स के साथ आती है जिनमें से कुछ सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स हैं। इसमें डुअल एयरबैग, EBD के साथ ABS और कॉर्नर स्टेबिलिटी कंट्रोल, कॉर्नरिंग फंक्शन के साथ फ्रंट फॉग लैंप, चाइल्ड सीट ड्डस्ह फिक्स एंकर पॉइंट, पेरीमेट्रिक अलार्म सिस्टम, रिवर्स पार्किंग कैमरा, ड्राइवर और को-ड्राइवर सीट बेल्ट रिमाइंडर, टायर पंचर रिपेअर किट मिलते हैं। इसके फर्स्ट फीचर्स सेगमेंट में ब्रेक स्वे कंट्रोल शामिल है। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट के प्रेसिडेंट, शैलेश चंद्रा का कहना है कि SUV भारतीय सड़कों के लिए हिसाब से परफॉर्मेंस, कम्फर्ट और स्टेबिलिटी का एक सही बैलेंस ऑफर करती है। जब हम पंच डेवलप कर रहे थे, तो हमने इस बात का ध्यान रखा कि इसके कॉम्पैक्ट साइज के बावजूद ग्राहकों को एक बेहतर पैकेज मिल सके। पंच उन चार मेन पिलर्स को मजबूत करता है जो सभी टाटा SUV को डिफाइन करते हैं, ये हैं- स्टनिंग डिजाइन और आकर्षक परफॉर्मेंस, बड़ा केबिन और पूरी सुरक्षा।

टाटा पंच की कीमत का ऐलान 18 अक्टूबर को होगा

टाटा मोटर्स ने पुष्टि की है कि 2021 पंच SUV की कीमत का ऐलान 18 अक्टूबर को किया जाएगी। पंच स्ड्ड का इस महीने की शुरुआत में पेश किया गई थी और बुकिंग 21,000 रुपए में शुरू की गई है। टाटा पंच को 7 कलर्स में पेश किया जाएगा, जिसमें डुअल-टोन कलर ऑप्शन शामिल हैं। फ्रंट ग्रिल को स्श्वष्ठ छ्रक्रु के साथ हेड लाइट्स से सजाया गया है। इसमें 16 इंच के अलॉय व्हील्स भी मिलते हैं।

कैश टेस्ट रेटिंग करना

ग्लोबल कार सेफ्टी एजेंसी ग्लोबल ह्यष्टक्क द्वारा भारत में बिकने वाली लगभग सभी कारों का क्रैश टेस्ट किया जाता है। अलग-अलग पैमाने पर क्रैश टेस्ट के बाद कार को सेफ्टी रेटिंग दी जाती है। क्रैश टेस्ट के लिए कार में डमी का इस्तेमाल किया जाता है। ये डमी इंसान की तरह तैयार किया जाता है। टेस्ट के दौरान गाड़ी को फिक्स स्पीड से किसी हार्ड ऑब्जेक्ट के साथ टकराया जाता है। इस दौरान कार में 4 से 5 डमी का इस्तेमाल किया जाता है। बैक सीट पर बच्चे की डमी होती है। ये चाइल्ड सेफ्टी सीट पर फिक्स की जाती है। क्रैश टेस्ट के बाद कार के एयरबैग ने काम किया या नहीं, डमी कितनी डैमेज हुई, इन सब के आधार पर रेटिंग दी जाती है।

1 साल में म्यूचुअल फंड निवेशको को 100 फीसदी का मुनाफा

टाटा मोटर्स में सितंबर में 7,165 करोड़ के शेयर फंड हाउसेस ने खरीदे, एयरटेल के 42,914 करोड़ के शेयर बेचे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

म्यूचुअल फंड हाउसेस सोच समझकर शेयर्स की खरीदी बिक्री कर रहे हैं। पिछले 15 दिनों में टाटा मोटर्स का शेयर जमकर उछला है। इसको भांपते हुए फंड हाउसों ने सितंबर में इस शेयर में 7,165 करोड़ रुपए का शेयर खरीदा था। जबकि एयरटेल के शेयर्स में गिरावट के रुझान को भी भांप लिया था। इसमें सितंबर में 42,914 करोड़ रुपए के शेयर बेच दिए।

293 रुपए से बढ़कर 532 रुपए पर गया टाटा मोटर्स का शेयर

टाटा मोटर्स का शेयर एक महीना में 293 रुपए से बढ़कर 532 रुपए चला गया। जबकि एयरटेल का शेयर का भाव 667 से 739 रुपए पर चला गया। फंड हाउसों को हालांकि IRCTC के शेयर में और फायदा होता। क्योंकि एक महीना में यह शेयर 65 फीसदी बढ़कर 5,300 रुपए को पार कर गया है। सितंबर में फंड हाउसों ने इसके 2,879 करोड़ रुपए के शेयर बेच दिए। फिर भी ज्यादातर शेयर्स में फंड हाउसों ने पिछले एक साल में 100 फीसदी से ज्यादा का मुनाफा कमाया है। यह मुनाफा फंड स्कीम में निवेश करने वाले निवेशकों को मिला है।

लार्ज कैप में सबसे ज्यादा खरीदी SBI लाइफ में

खरीदे गए शेयर	कीमत	बेचे गए शेयर	कीमत
SBI लाइफ इंश्योरेंस	13,254	एयरटेल	42,914
टाटा मोटर्स	7,165	वेदांता	3,530
SBI कार्ड्स	6,762	HDFC लाइफ	6,717
बजाज ऑटो	5,415	बायोकॉन	1,116

(आंकड़े करोड़ रुपए में)

SBI लाइफ के शेयर में 13,254 करोड़ रुपए की खरीदी

आंकड़े बताते हैं कि लार्ज कैप में सबसे ज्यादा खरीदी फंड हाउसों ने SBI लाइफ इंश्योरेंस के शेयर में की है। इसके 13,254 करोड़ रुपए के शेयर सितंबर महीने में खरीदे गए हैं। इसमें खरीदी का कारण यह है कि बीमा कंपनियों के प्रीमियम में कोरोना के दौरान अच्छी खासी बढ़त आई है जिससे इनके शेयर पर असर दिखा है। जबकि दूसरे नंबर पर टाटा मोटर्स है। इसके 7,165 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे गए।

18 फीसदी बढ़कर 532 पर पहुंचा टाटा मोटर्स का शेयर

टाटा मोटर्स का शेयर बुधवार को 18 फीसदी बढ़कर 500 रुपए के पार चला गया था। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें 7,500 करोड़ रुपए का निवेश टीपीजी राइज कर रही है। टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए नई कंपनी बना रही है और इस वजह से कंपनी का शेयर पिछले 1 महीना में अच्छा खासा बढ़ा है।

SBI कार्ड्स के 6,762 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे

SBI कार्ड्स के 6,762 करोड़ रुपए के शेयर म्यूचुअल फंड हाउसों ने खरीदे हैं। कंपनी के शेयर में तेजी है क्योंकि त्योहारी सीजन में क्रेडिट कार्ड का अच्छा खासा इस्तेमाल ग्राहक करते हैं। त्योहारी सीजन में ऑटो की भी अच्छी मांग रहती है। इस वजह से फंड हाउसों ने बजाज ऑटो के 5,415 करोड़ रुपए के शेयर सितंबर में खरीदे थे। अंबूजा सीमेंट के 4,369 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे गए हैं। धीरे-धीरे बढ़ रहे अडाणी एंटरप्राइज के शेयर्स में फिर खरीदी लौट रही है।

भारती एयरटेल के 42 हजार करोड़ रुपए के शेयर बिके

इस दौरान जिन लार्ज कैप शेयर्स से फंड हाउस निकल गए उसमें भारती एयरटेल के सबसे ज्यादा शेयर बिके। इसके 42,914 करोड़ रुपए के शेयर फंड हाउसों ने सितंबर में बेच दिए। यानी इस शेयर में आगे गिरावट आने की आशंका है। इसके बाद वेदांता के 3,530 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए जबकि HDFC लाइफ इंश्योरेंस के 6,717 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए।

विजयदशमी पर पीएम की सौगात

41 ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को मिलाकर बनी 7 डिफेंस कंपनियां

हथियारों के इंपोर्ट में कमी आने की उम्मीद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विजयदशमी के अवसर पर 7 नई डिफेंस कंपनियां राष्ट्र को समर्पित कीं। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड को भंग कर इन कंपनियों का गठन किया गया है। सरकार के इस कदम से हथियारों के इम्पोर्ट में कमी आने की उम्मीद है। PM मोदी ने इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। मोदी ने कहा, 5 साल मे 325 फीसदी डिफेंस एक्सपोर्ट बढ़ा है। रक्षा कंपनियों को अपग्रेड किए जाने की जरूरत थी जो किया गया। रक्षा क्षेत्र में आज जो 7 नई कंपनियां उतरने जा रही हैं, वो समर्थ राष्ट्र के उनके संकल्पों को और मजबूती देंगी।

इन 7 कंपनियों को किया गया शामिल

जिन सात नई रक्षा कंपनियों को शामिल किया गया है, वे हैं म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड , आर्म्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड , एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड ,

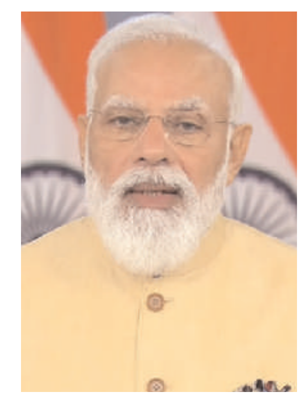

ट्रूप्स कम्फर्ट्स लिमिटेड , यंत्र इंडिया लिमिटेड , इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड , ग्लिडर्स इंडिया लिमिटेड इन कंपनियों में पिस्टल से लेकर फाइटर प्लेन तक बनाया जाएगा। एक दिन पहले प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया था कि सरकार डिफेंस सेक्टर में सुधार लाने के लिए ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड को एक विभाग से सात पूर्ण सरकारी स्वामित्व वाली कॉर्पोरेट संस्थाओं में बदलने जा रही है। पीएम ने कहा, 41 ऑर्डिनेन्स फैक्ट्रीज़ को नए स्वरूप में किए जाने का निर्णय, 7 नई कंपनियों की ये शुरुआत, देश की इसी संकल्प यात्रा का हिस्सा हैं। ये निर्णय पिछले 15-20 साल से लटका हुआ था।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स : भारत 7 पायदान नीचे खिसका, अब दुनिया में 101वां स्थान

पाकिस्तान-बांग्लादेश भी हमसे आगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत 116 देशों के ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2021 में 101वें स्थान पर खिसक गया है। पिछले साल यानी 2020 में भारत 107 देशों में 94वें स्थान पर था। इस इंडेक्स में भारत अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से भी पीछे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में लोग कोविड-19 और इसके चलते लगाई गई पाबंदियों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

भारत में भुखमरी का स्तर अलार्मिंग

आयरिश एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मन ऑर्गेनाइजेशन वेल्ट हंगर हिल्फ की संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट में भारत में भुखमरी के स्तर को चिंताजनक

बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार पड़ोसी देश जैसे नेपाल (76), बांग्लादेश (76), म्यांमार (71) और पाकिस्तान (92) भी %अलार्मिंग% हंगर कैटेगरी में हैं। चीन, ब्राजील और कुवैत सहित 18 देशों ने टॉप रैंक हासिल की है। इनका त्र ।।ढ्ढ स्कोर पांच से कम है। भारत का त्र ।।ढ्ढ स्कोर 27.5 है। GHI स्कोर का कैलकुलेशन चार इंडिकेटर्स पर किया जाता है- अंडर नरिशमेंट; चाइल्ड वेस्टिंग (पांच साल से कम उम्र के बच्चे जिनका वजन उनकी हाइट के हिसाब से कम है), चाइल्ड स्टंटिंग (पांच साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी उम्र के मुताबिक हाइट कम है) और चाइल्ड मॉर्टेलिटी (पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर)। त्र ।।ढ्ढ सीवियरटी स्केल पर 9.9 से कम या बराबर के स्कोर को लो माना जाता है। 10-19.9 के स्कोर को मॉडरेट, 20.0-34.9 को सीरियस, 35.0-49.9 को अलार्मिंग और 50.0 से ज्यादा या बराबर के स्कोर को एक्सट्रीमली अलार्मिंग माना जाता है।

आईपीओ बाजार में तेजी

अडाणी विल्मर, नायका और स्टार हेल्थ का इसी महीने आ सकता है आईपीओ

» तीनों को सेबी की मंजूरी मिली

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अडाणी विल्मर, स्टार हेल्थ और नायका इसी महीने आईपीओ ला सकती हैं। तीनों कंपनियों को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है। अडाणी विल्मर और स्टार हेल्थ को शुक्रवार को

जबकि नायका को उससे पहले इसी हफ्ते में मंजूरी मिली थी। अडाणी विल्मर, अडाणी ग्रुप की सातवीं कंपनी होगी जो शेयर बाजार में लिस्ट होगी। इससे पहले 6 कंपनियां इस ग्रुप की लिस्ट हो चुकी हैं। अडाणी विल्मर आईपीओ के जरिए 4,500 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखी है। कंपनी खाने के तेल को फॉर्च्यून ब्रांड के तहत बेचती है। यह कंपनी विल्मर इंटरनेशनल के साथ ज्वाइंट वेंचर में है।

2027 तक सबसे बड़ी फूड कंपनी का लक्ष्य:- अडाणी विल्मर 2027 तक देश में सबसे बड़ी फूड कंपनी बनने का लक्ष्य रखी है। यह स्नस्ष्टत्र सेक्टर में काम करती है। अडाणी ग्रुप पोर्ट, पावर और इंफ्रा जैसे सेक्टर में काम करता है। दूसरी ओर निजी सेक्टर की हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी स्टार हेल्थ भी आईपीओ की तैयारी में है। इसे भी सेबी की मंजूरी शुक्रवार को मिली। हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 15.8 फीसदी है। कंपनी आईपीओ से 5,500 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखी है।

लगातार दूसरे दिन महंगे हुए पेट्रोल-डीजल, इस महीने अब तक पेट्रोल 3.85 और डीजल 4.35 रुपए महंगा हुआ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगी आग थमने का नाम ही नहीं ले रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी शनिवार को लगातार दूसरे दिन इनके दामों में बढ़ोतरी की है। आज दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 35-35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढने के बाद दिल्ली में पेटोल के दाम 105.49 रुपए और डीजल के दाम 94.22 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गए हैं। इस महीने 16 दिन में पेट्रोल-डीजल 13 बार महंगे हो चुके हैं। इससे राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 3.85 और डीजल 4.35 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं 2021 कीर बात करें तो इस साल 1 जनवरी को पेट्रोल 83.97 और डीजल 74.12 रुपए प्रति लीटर था। अब ये 105.49 और 94.22 रुपए प्रति लीटर पर है। यानी 10 महीने से भी कम समय में पेट्रोल 21.52 और डीजल 21.10 रुपए तक महंगा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ रहे है। ब्रेंट क्रूड का भाव 84 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इससे पहले साल 2018 में कच्चा तेल 84 डॉलर के पार निकला था।

31 राज्यों में पेट्रोल और 13 राज्यों में डीजल 100 के पार:- देश के 29 राज्यों में पेटोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दमन और दीव, छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, नागालैंड, पुडुच्चेरी, तेलंगाना, पंजाब, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम, झारखंड, गोआ, असम, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, मेघालय और राजस्थान में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है।

द्विराष्ट्र के सिद्धांत के जनक कौन- जिन्ना या सावरकर

- डॉ राजू पाण्डेय

एक ऐतिहासिक प्रसंग और है जो सावरकर की पसंद और प्राथमिकताओं को दर्शाता है। यह भारतीय राजनीतिक और प्रशासनिक परिदृश्य के सबसे विवादित व्यक्तित्वों में से एक सी पी रामास्वामी से संबंधित है। अतिशय महत्वाकांक्षी, स्वेच्छाचारी, सिद्धांतहीन, अधिनायकवादी चिंतन से संचालित और पुन्नापरा वायलार विद्रोह के बर्बर दमन के कारण जनता में अलोकप्रिय सी पी रामास्वामी ने 18 जून 1946 को त्रावणकोर के महाराजा को अंग्रेजों के भारत छोड़ने के बाद अपनी रियासत को स्वतंत्र घोषित करने के लिए दुष्प्रेरित किया। सी पी रामास्वामी ने इसके बाद पाकिस्तान के लिए अपना प्रतिनिधि भी नियुक्त कर दिया। पिछले तीन चार वर्ष से श्री वी डी सावरकर को प्रखर राष्ट्रवादी सिद्ध करने का एक अघोषित अभियान कतिपय इतिहासकारों द्वारा अकादमिक स्तर पर अघोषित रूप से चलाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी श्री सावरकर को महिमामण्डित करने वाली पोस्ट्स बहुत सुनियोजित रूप से पहुंचाई जा रही हैं। अब ऐसा लगता है कि यह अभियान सरकारी स्वीकृति प्राप्त कर रहा है। किंतु जब ऐतिहासिक तथ्यों का अध्ययन किया जाता है तब हमें यह ज्ञात होता है कि श्री सावरकर किसी विचारधारा विशेष के जनक अवश्य हो सकते हैं किंतु भारतीय स्वाधीनता संग्राम के किसी उज्ज्वल एवं निर्विवाद सितारे के रूप में उन्हें प्रस्तुत करने के लिए कल्पना, अर्धसत्यों तथा असत्यों का कोई ऐसा कॉकटेल ही बनाया जा सकता है जो नशीला भी होगा और नुकसानदेह भी।

जब भारत छोड़ो आंदोलन अपने चरम पर था तब सावरकर भारत में विभिन्न स्थानों का दौरा करके हिन्दू युवकों से सेना में प्रवेश लेने की अपील कर रहे थे। उन्होंने नारा दिया- हिंदुओं का सैन्यकरण करो और राष्ट्र का हिंदूकरण करो। सावरकर ने 1941 में हिन्दू महासभा के भागलपुर अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि- हमें इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि जापान के युद्ध में प्रवेश से हम पर ब्रिटेन के शत्रुओं द्वारा हमले का सीधा और तत्काल खतरा आ गया है। इसलिए हिन्दू महासभा के सभी सदस्य सभी हिंदुओं को और विशेषकर बंगाल और असम के हिंदुओं को इस बात के लिए प्रेरित करें कि वे सभी प्रकार की ब्रिटिश सेनाओं में बिना एक मिनट भी गंवाए प्रवेश कर जाएं।

भारत छोड़ो आंदोलन को कुचलने में लगे अंग्रेजों को सावरकर के इस अभियान से सहायता ही मिली। जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस 1942 में जर्मनी से जापान जाकर आजाद हिंद फौज की गतिविधियों को परवान चढ़ा रहे थे तब सावरकर ब्रिटिश सेना में हिंदुओं की भर्ती हेतु उन मिलिट्री कैम्पों का आयोजन कर रहे थे जिनके माध्यम से ब्रिटिश सेना में प्रविष्ट होने वाले सैनिकों ने आजाद हिंद फौज का उत्तर पूर्व में दमन करने में अहम भूमिका निभाई । प्रोफेसर शम्सुल इस्लाम ने हिन्दू महासभा आर्काइव्ज के गहन अध्ययन के बाद बताया है कि ब्रिटिश कमांडर इन चीफ ने हिंदुओं को ब्रिटिश सेना में प्रवेश हेतु प्रेरित करने के लिए बैरिस्टर सावरकर का आभार व्यक्त किया था। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान सावरकर ने हिन्दू महासभा के सभी सदस्यों से अपील की थी कि वे चाहे सरकार के किसी भी विभाग में हों (चाहे वह म्यूनिसिपैलिटी हो या स्थानीय निकाय हों या विधान सभाएं हों या फिर सेना हो) अपने पद पर बने रहें उन्हें त्यागपत्र आदि देने की कोई आवश्यकता नहीं है (महासभा इन कॉलोनियल नार्थ इंडिया, प्रभु बापू)। इसी कालखंड में जब विभिन्न प्रान्तों में संचालित कांग्रेस की सरकारें अपनी पार्टी के निर्देश पर त्यागपत्र दे रही थीं तब सिंध, उत्तर पश्चिम प्रांत और बंगाल में हिन्दू महासभा मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार चला रही थी। (सावरकर-मिथ्स एंड फैक्ट्स, शम्सुल इस्लाम)। आजकल यह भी कहा जा रहा है कि यदि सावरकर नेतृत्वकारी स्थिति में होते तो भारत का विभाजन नहीं होने देते। वस्तुस्थिति यह है कि जिन्ना द्वारा 1939 में द्विराष्ट्र के सिद्धांत के प्रतिपादन के लगभग दो वर्ष पहले ही सावरकर इस आशय के विचार व्यक्त कर चुके थे। उन्होंने हिन्दू महासभा के 1937 के अहमदाबाद में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में अध्यक्ष की आसंदी से कहा- भारत में दो विरोधी राष्ट्र एक साथ बसते हैं, कई बचकाने राजनेता यह मानने की गंभीर भूल करते हैं कि भारत पहले से ही एक सद्भावनापूर्ण राष्ट्र बन चुका है या यही कि इस बात की महज इच्छा होना ही पर्याप्त है। हमारे यह सदिच्छा रखने वाले किन्तु अविचारी मित्र अपने स्वप्नों को ही यथार्थ मान लेते हैं। इस कारण वे सांप्रदायिक विवादों को लेकर व्यथित रहते हैं और इसके लिए सांप्रदायिक संगठनों को जिम्मेदार मानते हैं। किन्तु ठोस वस्तुस्थिति यह है कि कथित सांप्रदायिक प्रश्न हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सदियों से चली आ रही सांस्कृतिक, धार्मिक और राष्ट्रीय शत्रुता की ही विरासत है। भारत को हम एक एकजुट और समरूप राष्ट्र के तौर पर समझ नहीं सकते, बल्कि इसके विपरीत उसमें मुख्यत- दो राष्ट्र बसे हैं हिंदू और मुस्लिम। (समग्र सावरकर वाङ्गमय, हिन्दू राष्ट, दर्शन, खंड 6, महाराष्ट्र प्रांतिक हिन्दू सभा पूना, 1963, पृष्ठ 296) इसके बाद 1938 के नागपुर अधिवेशन में उन्होंने पुन- कहा -जो मूल राजनीतिक अपराध हमारे कांग्रेसी हिंदुओं ने इंडियन नेशनल कांग्रेस आंदोलन की शुरुआत में किया और जो अभी भी वे लगातार करते आ रहे हैं वह है टेरीटोरियल नेशनलिज्म की मरु मरीचिका के पीछे भागना और इस निरर्थक दौड़ में आर्गेनिक हिन्दू नेशन को बाधा मानकर उसे कुचलना। 1937 में सावरकर ने द्विराष्ट्र सिद्धांत की स्पष्ट सार्वजनिक अभिव्यक्ति की किन्तु इसके बीज तो उनके द्वारा 1923 में रचित हिंदुत्व नामक पुस्तक में ही बड़ी स्पष्टता से उपस्थित थे।

संपादकीय

अब त्योहार जितना बच गया है

अभी कुछ दशक पहले तक सितंबर/अक्तूबर की छुट्टियों को 'पूजा फेस्टिवल' कहते थे। पूरे भारत में पूजा की छुट्टियां साथ होती थीं। और हर शहरी इन छुट्टियों में या तो अपने गांव-घर जाता था या फिर घूमने निकल जाता। इसकी वजह थी कि भारत में घूमने के लिए यह मौसम अनुकूल है। न सर्दी, न गरमी, न ही बरसात। और हर जगह उसे इन त्योहारों का आनंद मिलता। विंध्य के पार के भारत में भादो के शुक्ल पक्ष से गणेशोत्सव शुरू हो जाता, तो पूर्वी भारत में क्वार के शुक्ल पक्ष से मातृशक्ति की उपासना। उत्तर भारत में रामलीलाएं शुरू हो जातीं। एक तरह से पूरे देश में हर जगह रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोग दिखते। आज बाजार की भाषा में इसे त्योहारी सीजन कहते हैं। श्राद्ध खत्म होते ही यह सीजन शुरू हो जाता है। नवरात्र, विजयदशमी, करवा चौथ, दीपावली, कार्तिक पूर्णिमा (गुरु नानक जयंती) से लेकर 25 दिसंबर बड़ा दिन तक यह सीजन अनवरत चलता रहेगा। लेकिन जैसे-जैसे बाजार बढ़ता है, त्योहारों की विशिष्ट पहचान छीजती जाती है। त्योहार अपने वैशिष्ट्य के कारण जाने जाते थे। उनकी एक क्षेत्रीय पहचान होती थी। मगर अब वह पहचान एक सर्वकालिक पहचान बनती जा रही है। मॉल में जाकर खरीदारी कर लेना, मौज-मस्ती कर वापस आ जाना, बस यहीं तक त्योहार रह गया है। त्योहार का जो उल्लास था, वह बहुत नहीं बचा। पिछले दो वर्षों से तो कोरोना ने त्योहारों की खुशी को बंद कर रखा है। कल ही दिल्ली से लौटते समय टैक्सी ड्राइवर कह रहा था- सर, आजकल कमाई एकदम ठप है। दिन भर में कोई एक या दो सवारी मिलती है। त्योहार आ रहे हैं, कैसे खुशी मनेगी? सुनकर ऐसा लगा, जैसे ईदगाह कहानी में हामिद की दादी अमीना बोल रही है, 'साल भर का त्योहार किस-किस से मुंह चुराऊंगी? धोबन, नाइन, मेहतरानी, चूड़ीहारिन सब तो अपना नेग मांगेगी। और क्यों न मांगें, आखिर त्योहार रोज-रोज नहीं आता है!' इस पीड़ा के पीछे कोरोना, महंगाई का दर्द तो छिपा ही था, साथ में त्योहार में एक गृहस्थ के राजा होने का सुख भी। भारत के सारे त्योहार, पर्व धन-धान्य से जुड़े हैं। जब फसल पकी, कटी और अनाज घर आया, तो खुशियां भी आईं। और यही त्योहार का उल्लास है। लोग भी फुरसत में होते हैं। मिलना-जुलना होता है। इसी के साथ खुशियां सबको बांटी जाती हैं। परिवार में ही नहीं, किसानी समाज की उस 'परजा' को भी, जो किसान के लिए सहायक होते हैं। इसीलिए भारतीय ग्राम्य व्यवस्था में किसान को राजा माना गया है। बाकी पेशेवर समुदाय के लोग, पुरोहित भी, परजा है। अर्थात्, जिनकी भूमिका सहायक की है और जो उत्पादन कार्यों से सीधे नहीं जुड़े हैं, वे सब परजा हैं।

लेकिन औद्योगिक क्रांति के बाद जब शहरों का विस्तार हुआ, तो ये त्योहार अपने-अपने समाज के बीच केंद्रित होने लगे। महाराष्ट्र में बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव शुरू किया, तो बंगाल में दुर्गा पूजा एक सार्वजनिक उत्सव के रूप में मनाया जाने लगा। रवींद्रनाथ टैगोर ने बोलपुर में बसंतोत्सव की शुरुआत की। बंगाल, बिहार, ओडिशा, असम और सारा पूर्वोत्तर दुर्गा पूजा को पूरे उत्साह से मनाता, तो दक्षिण भारत गणेशोत्सव। गुजरात में इसके साथ गरबा भी जुड़ा। चूंकि भारत का तीन चौथाई हिस्सा धान या चावल का उत्पादक है, इसलिए यहां के त्योहार उतरते भादो-क्वार (सितंबर, अक्तूबर) में ज्यादा उल्लास से मनाए जाते। किंतु, उत्तर भारत की मुख्य फसल रबी की है, अत- यहां पर चैत्र की नवरात्रि का महत्व अधिक है। पंजाब का भांगड़ा और गिद्धा भी इसी पर्व बैशाखी से जुड़े। उत्तर प्रदेश में रबी और खरीफ, दोनों फसलें होती हैं, इसलिए चैत्र की नवरात्रि के साथ रामनवमी जुड़ी, तो क्वार की नवरात्रि में रामलीलाएं और विजयदशमी। पर अब ये सारे त्योहार एक रस्म अदायगी बनते जा रहे हैं। रामलीलाओं में न वह समर्पण रहा, न दुर्गा पूजा में उल्लास का भाव। वे बस एक तारीख बनकर रह गए हैं। अब चाहे दिल्ली की रामलीला हो, या कोलकाता की दुर्गा पूजा अथवा मुंबई में गणेश का उत्सव, इन सबमें न कोई मिलना-जुलना होता है, न कोई ललक।

पहले रामलीला देखने के लिए बच्चे, बूढ़े और युवा अपने-अपने घर से बिछावन लेकर जाते थे, ताकि दो-दो बजे रात तक चलने वाली रामलीला को वे आराम से देख सकें। बल्कि, उत्तर प्रदेश में कानपुर, लखनऊ और इलाहाबाद मंडलों में धनुष यज्ञ लीला का तो विशेष महत्व था। यह रात नौ बजे से शुरू होकर सुबह सात बजे तक निर्बाध चलती थी।

इसमें एक ही लीला थी। राजा जनक के दरबार में राम शिव धनुष तोड़ते हैं और उसकी आवाज से परशुराम वहां आ जाते हैं। इसके बाद परशुराम और लक्ष्मण में खूब वाद-विवाद होता है। अंत में, राम दखल देते हैं और मामला शांत हो जाता है। लक्ष्मण-परशुराम संवाद के दौरान कई बार दोनों पात्र स्वरचित कविताएं सुनाते और अक्सर वे तत्काल कविता बना लेते। इससे और कुछ हो, न हो, कविता एवं साहित्य के प्रति लोगों में दिलचस्पी पैदा होती थी। धीरे-धीरे बाजार के दबाव में इन लीलाओं में फूहड़ता आती गई और अनेक लोग भी इनसे विमुख हो गए।

शुक्र है कि दुर्गा पूजा में बंगाली नौजवानों की दिलचस्पी अभी बनी हुई है। वाम मोर्चा सरकारों के समय भी युवा इन पूजा-पंडालों से जुड़ा था और ममता बनर्जी के समय भी। इसलिए इस परंपरा में तमाम नए प्रयोग भी हुए। चमक-दमक तो बढ़ी है, किंतु पूजा-पंडालों को सजाने के मार्फत कई नए तरह के प्रयोग भी होते हैं। अंतरराष्ट्रीय घटनाओं को भी चित्रित किया जाता है और राजनेताओं का मखौल भी उड़ाया जाता है। यही हाल गणेश पूजा में भी है, लेकिन इसके विपरीत उत्तर भारत की रामलीलाओं में ये अभिनव प्रयोग नहीं हुए। अलबत्ता उन्हें फूहड़ जरूर बना दिया गया। यही वजह है कि मुंबई या कोलकाता में रामलीला नहीं है। दिल्ली में भी उसका क्रेज खत्म हो रहा है। आने वाले वर्षों में त्योहार एक प्रतीक बनकर रह जाएंगे। न उनमें उल्लास बचेगा, न परस्पर मेल-जोल की ललक। जिस तरह से त्योहार का अर्थ घर की खरीदारी तक सिमटती जा रही है, उससे हर त्योहार, मेले या पर्व का मतलब होगा, किसी बड़े मॉल में जाकर राइड ले लेना और लौट आना।

उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों ने लखीमपुर हत्याकांड को बनाया चुनावी मुद्दा

समर्थकों द्वारा नया सपना है, नई हवा है के नारे लगाने के साथ, अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें समाज के सभी वर्गों विशेषकर युवाओं का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसी अन्य विपक्षी दल के साथ कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है, लेकिन साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा करने के लिए कांग्रेस को मुख्य विपक्ष के रूप में दिखाने के लिए अधिक महत्व दे रही है। अखिलेश यादव ने विश्वास जताते हुए कहा कि कांग्रेस को मुख्य विपक्ष के रूप में दिखाने के लिए भाजपा की रणनीति के बावजूद, लोगों ने समाजवादी पार्टी को सत्ता में वापस लाने का मन बना लिया है।

- प्रदीप कपूर

प्रियंका गांधी ने लखीमपुर की घटना को संभाला, जहां किसान मारे गए थे और जिस तरह से बीजेपी सरकार ने उन्हें सीतापुर में गिरफ्तार किया था, जब वह पीड़ितों के परिवारों से मिलने जा रही थीं, इससे कांग्रेस सुर्खियों में आ गई। विश्व मीडिया का ध्यान प्रियंका गांधी पर था जिस तरह से वह गिरफ्तार हुई थी। लोगों ने प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी की तुलना उनकी दादी श्रीमती इंदिरा गांधी की, सत्तर के दशक के अंत में पीड़ितों से मिलने के लिए बिहार के बेलची की यात्रा से की।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए तैयार है, जिसमें तीन महत्वपूर्ण विपक्षी नेता समाजवादी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और बसपा की मायावती और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत कर दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने अभियान की शुरुआत 12 अक्टूबर को कानपुर से अपने रथ में विजय यात्रा के जरिए की। सपा नेता ने 12 अक्टूबर से अपनी अभियान रथ यात्रा शुरू करने का फैसला किया, जैसा कि उन्होंने पिछले चुनावों के दौरान भी किया था। अखिलेश यादव, जिन्हें बीजेपी और सीएम योगी आदित्यनाथ के लिए मुख्य चुनौती माना जाता है, ने रथ यात्रा के दौरान भारी भीड़ को आकर्षित किया, जो जनता के साथ उनकी लोकप्रियता की बात करता है।

अपनी सभाओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने चौतरफा विफलता के लिए भाजपा सरकार पर हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि लोग यूपी में बदलाव चाहते हैं, क्योंकि वे भाजपा सरकार की विभाजनकारी राजनीति से तंग आ चुके हैं। अखिलेश ने योगी सरकार को राज्य में निवेश आकर्षित करने में विफल रहने और कानून व्यवस्था की स्थिति में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहराया।

समर्थकों द्वारा नया सपना है, नई हवा है के नारे लगाने के साथ, अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें समाज के सभी वर्गों विशेषकर युवाओं का समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसी अन्य विपक्षी दल के साथ कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है, लेकिन साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा करने के लिए कांग्रेस को मुख्य विपक्ष के रूप में दिखाने के लिए अधिक महत्व दे रही है। अखिलेश यादव ने विश्वास जताते हुए कहा कि कांग्रेस को मुख्य विपक्ष के रूप में दिखाने के लिए भाजपा की रणनीति के बावजूद, लोगों ने समाजवादी पार्टी को सत्ता में वापस लाने का मन बना लिया है।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने वाराणसी में प्रभावशाली बैठक करके भाजपा को चुनौती दी, जिसका प्रतिनिधित्व लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी करते हैं। वाराणसी में किसान न्याय सम्मेलन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भारी भागीदारी ने पूर्वी यूपी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के मनोबल को बढ़ाया और किसानों में जबरदस्त सद्भावना पैदा की। प्रियंका गांधी ने घोषणा की कि वह भाजपा के खिलाफ लड़ना जारी रखेंगी और केंद्र सरकार को केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने के लिए मजबूर करेंगी, जिनके बेटे आशीष को किसानों की मौत में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

जिस तरह से प्रियंका गांधी ने लखीमपुर की घटना को संभाला, जहां किसान मारे गए थे और जिस तरह से बीजेपी सरकार ने उन्हें सीतापुर में गिरफ्तार किया था, जब वह पीड़ितों के परिवारों से मिलने जा रही थीं, इससे कांग्रेस सुर्खियों में आ गई। विश्व मीडिया का ध्यान प्रियंका गांधी पर था जिस तरह से वह गिरफ्तार हुई थी। लोगों ने प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी की तुलना उनकी दादी श्रीमती इंदिरा गांधी की, सत्तर के दशक के अंत में पीड़ितों से मिलने के लिए बिहार के बेलची की यात्रा से की। श्रीमती गांधी ने बेलची की अपनी यात्रा के बाद वापसी की। उल्लेखनीय रूप से प्रियंका गांधी आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए रणनीति तय करने के लिए पार्टी नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए लखनऊ में अधिक समय बिता रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर अपनी पार्टी के लिए अभियान शुरू किया, जब उन्होंने पड़ोसी जिलों से आए अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक प्रभावशाली रैली को संबोधित किया। अन्य विपक्षी दलों द्वारा भाजपा की बी टीम के रूप में लेबल किए जाने के बावजूद, बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती और महासचिव सतीश मिश्रा ने शक्तिशाली ब्राह्मण समुदाय से समर्थन का दावा किया। मायावती और सतीश मिश्रा ने आरोप लगाया कि ब्राह्मण भाजपा से नाखुश हैं क्योंकि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है और हमला किया जा रहा है और सरकार से कोई सुरक्षा नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव योगी आदित्यनाथ और उनकी पार्टी के लिए संभावित चुनौती बनकर उभरे हैं। अब तक अखिलेश यादव ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी और विधानसभा चुनाव में अकेले जाना पसंद करेगी। हालांकि अखिलेश ने कांग्रेस या उसके नेताओं पर हमला करने से परहेज किया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी के मुस्लिम नेताओं की ओर से समाजवादी पार्टी पर लगातार हमले हो रहे हैं कि जब वे सत्ता में थे तो मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया। अब देखना होगा कि अखिलेश यादव और प्रियंका गांधी अगले विधानसभा चुनाव में जनता का समर्थन हासिल करने के लिए खुद को किस तरह से पेश करते हैं।

बीएसएफ के अधिकारों में इजाफा

देश की सीमाओं की सुरक्षा हमेशा से ही एक बड़ी चुनौती रही है। खासकर पाकिस्तान और चीन के साथ युद्ध के अनुभवों के बाद सीमाओं को सुरक्षित रखना एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। मोदी सरकार के आने के बाद इस चिंता में और इजाफा हुआ है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन के साथ-साथ, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसियों के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आए हैं। नरेन्द्र मोदी ने पहली बार जब प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तो पड़ोसी देशों के राष्ट्र प्रमुखों को न्यौता भेज कर यह संदेश देने की कोशिश की थी कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करेगा। लेकिन विदेश नीति के पारंपरिक तरीकों को छोड़कर मोदी सरकार में विदेश नीति को नए तर्ज पर चलाने की कोशिश की गई, जिसका नतीजा अच्छा नहीं रहा।

इस बीच घरेलू स्तर पर सीएए, एनआरसी और अनुच्छेद 370 खत्म करने जैसे फैसलों से हालात और खराब हुए। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर रोक अब तक नहीं लग पाई है। नोटबंदी और अनुच्छेद 370 खत्म करने का कोई असर कश्मीर के हालात पर पड़ता नहीं दिखा। वहां अब भी जनजीवन सामान्य नहीं है और पिछले दिनों सामान्य नागरिकों की हत्याओं के साथ जवानों की शहादत भी हुई। कश्मीर में कश्मीरी पंडित भी मारे जा रहे हैं और मुस्लिम भी। पंजाब में पाकिस्तान से घुसपैठ और मादक पदार्थों की तस्करी का खतरा बरकरार है। पिछले साल गलवान घाटी में चीन ने अतिक्रमण करने की कोशिश की ही थी, जिसमें भारतीय सैनिकों की शहादत हुई थी। और ये मामला अब भी सुलझ नहीं पाया है। चीन कभी गलवान, कभी अरुणाचल प्रदेश पर अपनी गतिविधियां बढ़ाता है।

सीमाओं की सुरक्षा की इस चिंता के बीच केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के अधिकारों का दायरा बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि बीएसएफ अधिनियम, 1968 का सेक्शन 139 केंद्र सरकार को इलाका निर्धारित करने की शक्ति देता है। इसी का इस्तेमाल करते हुए सरकार ने बीएसएफ को पश्चिम बंगाल, असम और पंजाब में सीमा से 50 किमी के अंदर के दायरे में गिरफ्तारी, तलाशी और जब्ती करने की शक्तियां दी हैं। पहले इन तीन राज्यों में बीएसएफ का क्षेत्राधिकार 15 किलोमीटर तक सीमित था, जो अब 50 किलोमीटर कर दिया गया है। वहीं गुजरात में इसे 80 किमी से कम कर 50 किमी कर दिया गया है। हालांकि राजस्थान में ये दायरा पहले की तरह ही 50 किलोमीटर रखा गया है। जबकि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पूर्वोत्तर में मेघालय, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे राज्यों के लिए ऐसा कोई दायरा परिभाषित नहीं किया गया है।

केंद्र सरकार के पास ऐसा कदम उठाने के पीछे आसान सा तर्क है कि सीमाओं की सुरक्षा के लिए ये जरूरी था। लेकिन ऐसा लग रहा है कि इस फैसले के राजनैतिक मायने हैं। अगर सीमाओं पर निगरानी का सवाल है तो गुजरात में ये दायरा कम क्यों किया गया, जबकि हाल ही में अफगानिस्तान से लाई गई 3 हजार किलो हेरोइन मुंद्रा बंदरगाह से बरामद की गई थी। सीमाओं पर ऐसी संदिग्ध गतिविधियां और देश की सुरक्षा को खतरा कहीं से भी हो सकता है। लेकिन इसके लिए बीएसएफ के अधिकारों को बढ़ाने से राज्य पुलिस के साथ टकराव की स्थिति आ सकती है क्योंकि इस आदेश के बाद बीएसएफ राज्य पुलिस की शक्तियों को दबाकर क्षेत्र में गिरफ्तारी, तलाशी और जब्ती कर सकती है। यह देश की संघीय व्यवस्था के लिए सही नहीं है।

पंजाब में केंद्र सरकार के इस आदेश के बाद कांग्रेस सरकार के लिए नयी मुश्किल खड़ी हो गई है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और गृह मंत्री सुखजिंदर रंधावा ने इस फैसले की निंदा की है। लेकिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इसके लिए श्री चन्नी को ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। दरअसल हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह से श्री चन्नी ने मुलाकात की थी और ड्रग्स और हथियारों की तस्करी की जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील करने का आह्वान किया था। अब सुनील जाखड़ ने पूछा है कि क्या चरणजीत चन्नी अनजाने में पंजाब का आधा हिस्सा केंद्र सरकार को सौंपने में कामयाब रहे? 25,000 वर्ग किमी (कुल 50,000 वर्ग किमी में से) को अब बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र में रखा गया है। क्या हम अभी भी राज्यों को अधिक स्वायत्तता चाहते हैं।% इधर कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इस फैसले को सही ठहराया है और कहा है कि बीएसएफ की बढ़ी हुई उपस्थिति और शक्तियां ही हमें मजबूत बनाएगी। केंद्रीय सशस्त्र बलों को राजनीति में न घसीटें।

केंद्र सरकार के इस एक फैसले ने न केवल कांग्रेस और भाजपा को आमने-सामने किया है, बल्कि पंजाब कांग्रेस के भीतर का द्वंद्व भी जाहिर हो गया है। चरणजीत सिंह चन्नी ने इस फैसले के आने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह से मुलाकात की है और माना जा रहा है कि वे इस फैसले को रद्द करवाने में साथ देने की अपील करने ही उनके पास गए थे। अमरिंदर सिंह पहले ही श्री चन्नी के साथ नहीं थे। अब सुनील जाखड़ ने भी अपनी नाराजगी प्रकट कर दी है। देखना होगा कि इस फैसले का पंजाब चुनाव पर क्या असर पड़ता है और भाजपा इसके जरिए राज्यों के साथ शक्ति संतुलन बनाए रखने में सफल होती है या नहीं।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

शिल्पा शेट्टी के अमेजिंग फ्यूजन स्टाइल साड़ी लुक्स

शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस के अलावा अपने स्टाइलिश लुक्स के लिए भी फैन्स के बीच काफी पॉप्युलर हैं।वेस्टर्न लुक हो या फिर ट्रेडिशनल दोनों ही लुक में शिल्पा बहुत खूबसूरत नजर आती हैं।वहीं, ट्रेडिशनल आउटफिट को कैसे फ्यूजन टच में पहनना है, शिल्पा के लुक्स को देखकर स्टाइलिंग टिप्स लिए जा सकते हैं।बात करें, साड़ी की, तो शिल्पा फ्यूजन स्टाइल में साड़ी पहनना पसंद करती हैं।ऐसे में अगर आप भी ट्रेडिशनल लुक से अलग साड़ी को फ्यूजन टच देना चाहते हैं, तो शिल्पा के ये साड़ी लुक आपके काम आएंगे।फ्यूजन टच साड़ी में ध्यान रखने वाली बात यह होती है कि आपको मिनिमल लुक रखना होता है यानी हैवी मेकअप से बचने के साथ जूलरी भी कम कैरी करनी चाहिए।

बेटियों को कभी नहीं कहनी चाहिए ये 6 बातें, वरना डॉटर्स डे का नहीं रहेगा कोई मतलब

बेटियां, बेटों से कम नहीं है। हम सभी यह बात कई बार कहते और सुनते हैं, लेकिन सिर्फ कहने-सुनने की बजाय बेटियों को भी इस बात का एहसास दिलाना बहुत जरूरी है कि वे किसी से भी कम नहीं हैं। कई बार ऐसा होता है कि गुस्से में माता-पिता बच्चों खासकर बेटियों को कुछ ऐसी बातें बोल देते हैं, जिन्हें सुनकर उनका हौंसला टूटता है। कई बार बेटियां खुद को बेटों से कमतर भी समझने लग जाती हैं। वहीं, रिश्तेदारों या आस-पड़ोस की मजाक में कही हुई बातें भी बेटियों को हीन भावना का शिकार बना देती हैं। ऐसे में हर माता-पिता ही नहीं बल्कि हर किसी को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कुछ बातें मजाक में भी बेटियों से नहीं कहनी चाहिए।

यह तो पराया धन है, दूसरे घर जाना है

शादी करना या न करना भविष्य की बात है लेकिन हर बात पर बेटियों को यह नहीं कहना चाहिए कि वे पराया धन है और उन्हें दूसरे घर जाना है। ऐसा कहने से लगता है जैसे बेटियों का जन्म ही शादी करने के लिए ही हुआ है।

पढ़-लिखकर क्या करेगी? घर ही संभालना है

बेटियों को कभी न कहें कि उनके पढ़ने लिखने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि एक दिन तो उनकी शादी ही होनी है। ऐसी सोच रखने वाले माता-पिता को जान लेना चाहिए कि पढ़ना-लिखना सिर्फ नौकरी करने के लिए ही जरूरी नहीं है बल्कि खुद के विकास और दुनिया की समझ के लिए भी पढ़ाई जरूरी है।

पति के घर से अर्थी ही उठेगी

इस सीख में एक दकियानूसी सोच भी छुपी हुई है, जिसका सीधा-सा मतलब होता है कि ससुराल में चाहे कोई कुछ भी कहे या मारे-पीटे लेकिन आवाज न उठाना और घर छोड़कर मायके मत आना। यह बात आदर्शवाद बहू बनने के नाम पर लड़कियों के दिमाग में बैठा दी गई है, जिससे लड़कियां अत्याचार सहने को अपनी नियति मानकर चुप रह जाती हैं।

लड़की हो, तो लड़की की तरह रहो

महिला सशक्तिकरण की सारी बातें यहां पानी भरने लगती हैं। इसका मतलब यह है कि लड़की चुप और कमजोर ही सही लगती है इसलिए लड़की की काया की तरह नाजुक बनकर रहो। हिम्मत दिखाना लड़कियों का काम नहीं है।

लड़कियों के लिए यह प्रोफेशन ठीक नहीं

आज के समय में ऐसा कोई प्रोफेशन नहीं है, जो लड़कियों के लिए न हो। लड़कियां स्पेस में जाती हैं, प्लेन उड़ाती हैं। लड़कों की तरह ही उनके पास भी कई कॅरियर ऑप्शन हैं, इसलिए कभी भी लड़कियों को कमतर फील न कराएं। आपकी यह बात उन्हें निराश करती हैं।

हमारे तो कर्म ही फूटे हैं

आमतौर पर कई लोग जाने-अनजाने लड़की पैदा होने पर ऐसी जली-कटी बातें बोलकर लड़कियों को एहसास दिलाते हैं कि लड़की होना बुरे कर्म की निशानी है। सच्चाई यह है कि लड़का हो या फिर लड़की, दोनों को अच्छी एजुकेशन और परवरिश चाहिए, जिससे कि वे आगे जाकर किसी अच्छे मुकाम पर पहुंच सकें।

इमली का गूदा नहीं बीज से मिलेगी खूबसूरत स्किन, जानें इस्तेमाल का तरीका

इमली का इस्तेमाल खाने में खूब किया जाता है। ये खाने के स्वाद को बहुत ज्यादा इंहेंस करता है। साउथ इंडियन खाने से लेकर पानीपुरी हो या चाट, इमली के बिना इन चीजों का स्वाद फीका लगता है। वहीं इसरे बीज भी न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए बल्कि स्किन के लिए भी पूरी तरह से अच्छे हैं। इन बीजों को भिगोकर और पीसकर फेस पैक बनाया जा सकता है। जिसका इस्तेमाल हफ्ते में एक बार किया जा सकता है। तो तलिए जानते हैं इसके फायदे

1) बढ़ती उम्र के कारण या फिर कुछ ब्यूटी प्रॉडक्ट के कारण स्किन ढीली हो जाती है। यदि आप देखते हैं कि आपके गाल के आसपास की स्किन और चिन एरिया खिंचाव वाला हो गया है, तो इमली के बीजों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप इमली के बीज के पेस्ट में शहद

मिलाकर फेस मास्क लगा सकते हैं या फिर इमली के पाउडर से बनी एक कप चाय पी सकते हैं।

2) कई लोगों की स्किन बहुत ज्यादा ड्राई होती है और उन लोगों के लिए स्किन को हाईड्रेट रख पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सुबह इमली के बीज की चाय पीने से आपकी त्वचा को अंदर से हाइड्रेशन मिलता है। यह हयालूरोनिक एसिड से भरपूर है जो स्किन को मॉइस्चराइज करने के लिए अच्छा है।

3) इमली के बीज पिंपल्स से छुटकारा पाने में भी मदद कर सकते हैं क्योंकि इमली के बीज जीवाणुरोधी लाभों से भरपूर होते हैं। यह न केवल आपको निमोनिया पैदा करने वाले बैक्टीरिया से बचाने में कारगर है, बल्कि यह स्किन के अन्य किसी भी संक्रमण को भी दूर रखता है। 4) झुर्रियां, महीन रेखाएं, आई बैग उम्र बढ़ने के लक्षण हैं। ऐसे में कई उपाय हैं जिनसे आप ऐसे लक्षणों को दूर करने की कोशिश कर सकते हैं। इमली के बीज आपकी मदद कर सकते हैं क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं जो स्किन को जवां बनाए रख सकते हैं। इसके लिए हर दूसरे दिन इमली के बीजों का इस्तेमाल कर फेस मास्क बनाएं।

वेट लॉस के लिए लगातार 15 दिन खाएं ये चीजें, पेट की चर्बी भी होगी कम

वेट लॉस किसी चैलेंज से कम नहीं है लेकिन कई बार ऐसा होता है कि वजन कम करने के लिए डाइटिंग हमारा फैट घटाने की बजाय जरूरी वेट भी घटा देती है, जिससे हमारे शरीर में कमजोरी आने लगती है, इसलिए अगर आप वेट लॉस की प्लानिंग कर रहे हैं, तो सोच समझकर डाइट चार्ट बनाएं। वेट लॉस के लिए कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें लगातार खाने से वजन कम होता है। आप लगातार 15 दिन इन चीजों को खाकर वजन घटा सकते हैं। अंडे में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। वहीं इसमें कैलोरीज भी कम होती है। ये प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जिसे खाने से आपको ज्यादा भूख नहीं लगती है और आप अपना वजन आसानी से कम कर सकते हैं।

डिफरेंट लुक के लिए वॉर्डरोब में जरूर शामिल करें ये 5 तरह के दुपट्टे

इन दिनों प्लेन सूट पर हैवी दुपट्टे का खूब फैशन है। दुपट्टों कील बात हो तो बाजार में कई तरह के दुपट्टे आसानी से मिल जाते हैं। फिर चाहें शिफॉन के दुपट्टे हो या फिर हैंडलूम के। आने वाले महिने से त्याहारों का सीजन शुरू हो जाएगा। ऐसे में हर कोई अपने लुक को लेकर बहुत ज्यादा परेशान रहता है, खासकर लड़कियां। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे दुपट्टों के बारे में बताने वाले हैं जो आपको सिंपल सूट में भी डिफरेंट लुक देने में मदद करते हैं। तो चलिए जानते हैं

1) कलमकारी डुपट्टास

कलमकारी, टेक्सटाइल इंडस्ट्री में हाथ से पेंट या ब्लॉक प्रिंट तकनीक है। यह रंग और पैटर्न रंगाई सूती कपड़े पर की जाती है और केवल भारत और ईरान के राज्यों द्वारा उत्पादित की जाती है। कलमकारी दुपट्टे डेनिम और प्लेन कमीज, टी-शर्ट या कुर्तियों के साथ सबसे अच्छे लगते हैं।

2) बनारसी सिल्क दुपट्टा

बनारसी सिल्क के दुपट्टे किसी बड़े फंक्शन के लिए परफेक्ट हैं क्योंकि ये काफी भारी होते हैं जो किसी स्पेशल दिन के लिए बनाए जाते हैं। ये आपके सिर पर पहनने के लिए नहीं हैं बल्कि लेयरिंग के लिए कमाल हैं। आप इसे अपने डेनिम्स और खादी ट्यूनिक के साथ पहनकर ट्रेडिशनल ड्रेप के साथ भी एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

अगर आपको भी है नेल्स बाइटिंग की आदत तो ये टिप्स आपके लिए हैं मददगार

कई लोगों को नेल्स बाइटिंग की आदत होती है। ऐसे में इन लोगों के नेल्स बेहद ही अजीब दिखाई देते हैं, जो न सिर्फ हाथों की सुंदरता को बिगाड़ते हैं बल्कि सेहत के लिए भी हानीकारक होते हैं। अल्फा-केराटिन प्रोटीन से बने नाखून मानव शरीर का एक जरूरी हिस्सा हैं। नाखुन आपको रोजाना सरल और जटिल काम को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। जहां एक तरफ कुछ महिलाओं को अपने नाखूनों से प्यार अलग ही प्यार होता है। वहीं कुछ ऐसी भी हैं जो अपने नाखूनों को बनाए रखने में विफल रहते हैं और वास्तव में उन्हें काटते हैं। हेल्थ रिपोर्ट्स की मानें तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं और इसे छोड़ना चाहते हैं, तो आइए जानते हैं।

टिप 1

सबसे पहले आपको ये जानने की जरूरत है कि आपके नाखूनों को काटने का क्या कारण है। किसी भी बीमारी, समस्या या बुरी आदत को ठीक करने के लिए आपको पता होना चाहिए कि ऐसा करने का कारण क्या है। अब अगली बार जब भी अपने नाखूनों को काटें तो एक मिनट का समय निकालें और सोचें कि उस समय आपके दिमाग में क्या चल रहा था। ऐसे में आपको नाखुन चबाने की आदत से छुटरा मिल सकता है।

टिप 2

इस आदत से छुटकारा पाने के लिए अपने नाखूनों को छोटा-छोटा काट लें। इससे आपको कुछ देर परेशानी जरूर होगी लेकिन आप अपने नाखुनों को काटने से बचेंगे। इसके अलावा नाखूनों को छोटा रखना जीने का एक आसान तरीका है। इतने सारे काम आसान हो जाते हैं। साथ ही ये स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है क्योंकि छोटे नाखुन कीटाणुओं और नाखूनों के संक्रमण को फैलने से रोकते हैं।

टिप 3

यदि आप अपने नाखूनों स प्यार करते है

और इसे पूरी तरह से काटना नहीं चाहते हैं, तो इसका स्वाद इतना खराब करने की कोशिश करें कि आप अपने आप उन्हें चबाने या काटने का विचार छोड़ दें। जी हां..इसके लिए आपको बस एक ऐसा नेल पेंट लगाना है, जिसका स्वाद खराब हो। कुछ लोगों को नेल पॉलिश की खुशबू अच्छी लगती है तो वहीं कुछ लोग नेल पॉलिश से नफरत करते हैं। पता लगाएं कि आपको क्या परेशान करता है, और इसका इस्तेमासल करके नेल्स की सुंदरता को बढ़ाएं। यह आपको अपने नाखूनों को और खराब होने से रोक सकता है। हालांकि, इस बात के प्रति सचेत रहें कि नेल पेंट में केमिकल्स होते हैं ऐसे में यदि आप नाखुन चबाते हैं, तो ये सेहत के लिए हानितकारक हो सकता है।

US जाने वालों को राहतः अमेरिका ने यात्रा पाबंदियां घटाईं, 8 नवंबर से फुल वैक्सीनेटेड लोगों को एंट्री मिलेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वॉशिंगटन

अमेरिका जाने का प्लान बना रहे लोगों के लिए शुक्रवार को एक राहत भरी खबर आई। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 8 नवंबर के बाद उन सभी विदेशी नागरिकों को अमेरिका आने की मंजूरी मिलेगी जो फुली वैक्सीनेटेड हैं यानी जिन्होंने मान्यता प्राप्त वैक्सीन के दोनों डोज लिए हैं। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने कुछ दिन पहले ही संकेत दिए थे कि अमेरिका आने पर लगी पाबंदियों में कुछ ढील दी जा सकती है। शुक्रवार को जारी बयान ने इस खबर की पुष्टि कर दी है।

एक साल से ज्यादा रहे प्रतिबंध

न्यूज एजेंसी 'रॉयटर्स' के मुताबिक, अमेरिका का यह फैसला लाखों लोगों को राहत देगा। जनवरी 2020 में चीन से आने वाले यात्रियों के साथ पाबंदियों की शुरुआत हुई थी। यानी कुल मिलाकर करीब 21 महीने यह प्रतिबंध जारी रहे। उस दौरान डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी राष्ट्रपति थे और चीन के साथ ही उन्होंने कई देशों के लोगों के अमेरिका में आने पर पाबंदी लगा दी थी।

बॉर्डर पर अब भी सख्ती

एयर ट्रैवल पर अमेरिका ने कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन कनाडा और मैक्सिको से लगने वाली सीमाओं पर तस्वीर ज्यादा साफ नहीं है। माना जा रहा है कि कनाडा और मैक्सिको से प्रतिबंध शुक्रवार को ही हटाए जा सकते हैं। इन दोनों देशों के उन नागरिकों को अमेरिका आने की मंजूरी नहीं मिलेगी जिन्होंने वैक्सीनेशन पूरा नहीं किया है।

क्या फायदा होगा

प्रतिबंधों के चलते कई ऐसे लोग परेशान हो रहे थे जो पाबंदियों के पहले किसी काम से अपने मूल देश या किसी और जगह गए थे। इनके रिश्तेदार और परिवार अमेरिका में परेशान थे। कई बिजनेसमैन्स को इसकी वजह से परेशान होना पड़ रहा था।

अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन यानी सीडीसी ने पिछले हफ्ते कहा था अमेरिका में जल्द ही उन लोगों को आने की मंजूरी दी जा सकती है जिन्होंने अमेरिका द्वारा अप्रूव किए गए वैक्सीन के दोनों डोज लिए हों।

नए नियम अमल में आएंगे

8 नवंबर से भले ही विदेशी नागरिकों को अमेरिका आने की मंजूरी मिल गई हो, लेकिन कुछ सवाल अब भी बाकी हैं। मसलन, 18 साल से कम उम्र के किशोरों या बच्चों का क्या होगा जिन्हें अभी पूरी तरह वैक्सीनेट नहीं किया जा सका है। हालांकि, जानकार मानते हैं कि कुछ लोगों को अब भी दिक्कत हो सकती है। बहरहाल, माना ये जा रहा है कि 8 नवंबर तक दुनियाभर की एयरलाइंस कंपनियां इस नजरिए के हिसाब से अपनी तैयारी कर लेंगी। कुल मिलाकर 33 देशों को फायदा होगा। इनमें भारत, ब्रिटेन, चीन और यूरोप के कई देश शामिल हैं।

क्या करना होगा

अब तक की जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट में बैठने से पहले ट्रैवलर्स को वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट दिखाना होगा। इसके अलावा उनके पास 48 घंटे पुरानी कोविड 19 निगेटिव आरटीपीसीआर रिपोर्ट जरूरी होगी।

भारतीय मूल के अमेरिकी रवि चौधरी पेंटागन में अहम पोस्ट के लिए चुने गए, डिफेंस एक्सपर्ट हैं चौधरी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय मूल के रवि चौधरी को पेंटागन की एक अहम पोस्ट के लिए नॉमिनेट किया है। चौधरी मूल रूप से एयरोस्पेस और डिफेंस एक्पर्ट हैं और वो अमेरिकी एयरफोर्स में उच्च पदों पर काम कर चुके हैं। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया। इसमें रवि को नॉमिनेट किए जाने की पुष्टि की गई है। रवि अमेरिका में मूल रूप से वर्जिनिया के रहने वाले हैं। परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। चौधरी यूएस एयरफोर्स में पायलट और अफसर रह चुके हैं। अब उन्हें पेंटागन में एयरफोर्स डिपार्टमेंट का असिस्टेंट सेक्रेटरी फॉर इंस्टालेशन्स, एनर्जी और एनवॉयर्नमेंट की जिम्मेदारी दी गई है। चौधरी को व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति बाइडेन की तरफ से हरी झंडी मिल चुकी है, लेकिन उनके नाम पर आखिरी मुहर अमेरिकी संसद ही लगाएगी। इसके बाद ही वे पेंटागन की इस पोस्ट के लिए शपथ ग्रहण कर सकेंगे।

बेहद अहम है जिम्मेदारी: सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद चौधरी कामकाज संभालेंगे। उनके पास अमेरिकी एयरफोर्स के तमाम इंस्टालेशन्स और स्ट्रैटेजी तैयार करने की जिम्मेदारी होगी। इनमें दुनियाभर में फैले अमेरिकी एयरफोर्स के बेसेस को भी देखना होगा। कहीं जरूरत हुई तो नया इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार करना होगा। इसके अलावा एनर्जी और एनवॉयर्नमेंट से संबंधित रणनीति बनाने का जिम्मा भी उन्हीं के कंधों पर होगा। चौधरी के पास एडमिनिस्ट्रेशन का भी खासा अनुभव है। वे यूएस डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्टेशन जैसे अहम विभाग को संभाल चुके हैं। इसके अलावा प्रोग्राम एंड इनोवेशन, कमर्शियल स्पेस और फेडरल एविएशन जैसे विभागों का भी उनको तर्जुबा है।

सिंगल पेरेंट्स के संघर्ष की बातः अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने माना कि आसान नहीं होती चाइल्ड केयर, याद की अपनी परेशानी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज हार्टफोर्ड

दुनिया की सुपरपावर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अस्तित्व बरकरार रखने के लिए संघर्ष कर रही चाइल्ड केयर सेवाओं को बचाने के लिए अपने देशवासियों से बेहद भावुक निजी अपील की। बाइडेन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पत्नी और बेटी को छीन लेने वाली दुर्घटना ने उन्हें काम और परिवार पालने के बीच संघर्ष करने वाले पेरेंट्स की मदद की अहमियत का अहसास कराया था।

- बाइडेन 1972 में बने पहली बार सांसद
- उसी साल हो गई पत्नी-बेटी की मौत
- करियर संभाला और दो बेटे भी पाले

खुद कर चुके हैं परिवार और राजनीति के बीच संघर्ष

बाइडेन खुद 1972 में अपने राजनीतिक करियर को संभालने और दो नन्हे बेटों को पालने के बीच सिंगल पेरेंट के तौर पर संघर्ष कर चुके हैं। उन्होंने कनेक्टिकट राज्य में अपने संबोधन के दौरान कहा कि एक सांसद के वेतन में वह बच्चों की देखभाल करने के लिए प्रोफेशनल सेवाएं नहीं ले सकते थे और इसके चलते उन्हें रोजाना वॉशिंगटन से डेलावेयर के बीच सफर करना पड़ता था। उन्होंने कहा, इन हालात ने मुझे उन बहुत सारे लोगों की परेशानी का अहसास कराया, जिन्हें चाइल्ड केयर के लिए मदद की जरूरत है।

पहली बार पब्लिक में की बेटी-पत्नी की बात

राष्ट्रपति बाइडेन ने करीब 50 साल पहले अपनी पत्नी निलिया और एक साल की बेटी नाओमी की मौत का कारण बने हादसे के बारे में पहली बार पब्लिक के बीच बात की है। उन्होंने पब्लिक के सामने इस भयावह एपिसोड को एक सीखने वाले पल के तौर पर पेश करने की कोशिश की, जिसने उन्हें ज्यादातर अमेरिकी नागरिकों के सामने परिवार को पालने में आने वाली समस्या का अहसास कराया था। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से चाइल्ड केयर के लिए सिंगल पेरेंट के सामने संसाधनों तक पहुंच और फाइनेंशियल परेशानियों को लेकर होने वाली चिंता से अवगत हूं।

चाइल्ड केयर के लिए एक योजना ला रहे बाइडेन

अपने नेशनल टूर के तहत कनेक्टिकट की राजधानी हार्टफोर्ड पहुंचे बाइडेन यहां चाइल्ड केयर सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह उनका इस राज्य का राष्ट्रपति के तौर पर दूसरा दौरा है। राष्ट्रपति चाइल्ड केयर को लेकर अपनी ऐतिहासिक, लेकिन विवादित खर्च योजना के लिए समर्थन जुटाने के लिए यह दौरा कर रहे हैं। उनकी सुधार योजना को विपक्षी दल रिपब्लिकन पार्टी के साथ ही खुद उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी में भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका में कोविड-19 महामारी के बाद इकोनॉमिक रिकवरी के हालात में चाइल्ड केयर की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। प्रशासन का तर्क है कि अमेरिका अन्य मजबूत इकोनॉमी के मुकाबले चाइल्ड केयर पर बेहद कम खर्च कर रहा है।

नवी मुंबई के APMC सब्जी बाजार में एक दवा COVID19 परीक्षण के लिए एक व्यक्ति का स्वाब नमूना लेती है।

न्यूज ब्रीफ

चीन का सबसे लंबा स्पेस मिशन शुरूःनए स्पेस स्टेशन पहुंचे चीन के 3 अंतरिक्ष यात्री, बिताएंगे 183 दिन

बीजिंग। चीन के तीन अंतरिक्ष यात्री शनिवार को चीन के नए स्पेस स्टेशन पर उतरे। इसे चीन के नए स्पेस प्रोग्राम में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। चीन के स्थानीय समय के मुताबिक रात 12 बजे के बाद मंगोलिया में गोबी रेगिस्तान में जियुकुयान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्ग मार्च 2स्र रॉकेट पर शेंझोऊ-13 स्पेसक्राफ्ट को लॉन्च किया।

लॉन्च के करीब 6-30 घंटे बाद यह स्पेसक्राफ्ट तियांगोंग स्पेस स्टेशन पर उतरा। अंतरिक्ष यात्री यहां पर 183 दिन (करीब 6 महीने) रहेंगे और काम करेंगे। यह चीन का अब तक सबसे लंबा मिशन होगा। चीन की भाषा में तियांगोंग का मतलब जन्नत होता है।

क्रू में एक महिला एसट्रोनॉट भी शामिल

इस क्रू में झाई झिगांग, वांग यापिंग और यी गुआन्फू शामिल हैं, जो स्टेशन की तकनीक को टेस्ट करेंगे और स्पेसवॉक करेंगे। झाई मिशन के कमांडर के रहेंगे। उन्होंने 2008 चीन की पहली स्पेसवॉक की थी। उन्हें चीन सरकार की तरफ से स्पेस हीरो की उपाधि दी गई है।

यी गुआन्फू के लिए यह पहला स्पेस मिशन होगा। वह फिलहाल मिलिट्री की एस्ट्रोनॉट ब्रिगेड में दूसरे लेवल के एस्ट्रोनॉट हैं। क्रू की महिला सदस्य वांग यापिंग ने 2013 में एक मिशन में हिस्सा लिया था, जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली चीन की पहली महिला एस्ट्रोनॉट होंगी। वह स्पेसवॉक करने वाली भी पहली चीनी महिला होंगी।

रामपुर में हुनर हाट के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और संसदीय मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल।

तालिबान की बदसलूकी

काबुल के दश्मेश पिता गुरुद्वारा में घुसे तालिबान, स्टाफ से मारपीट की, 10 दिन में ऐसी दूसरी घटना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

तालिबान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो दूसरे मजहबों का सम्मान नहीं करते। काबुल में 10 दिन में दूसरी बार तालिबान का सिक्योरिटी दस्ता एक गुरुद्वारे में जबरन घुसा और वहां मौजूद स्टाफ के साथ मारपीट और बदसलूकी की। शुक्रवार को तालिबान का स्पेशल दस्ता गुरुद्वारा दशमेश पिता पहुंचा। यहां भी उसी प्रकार की हरकतें की गईं जो 10 दिन पहले काबुल के ही गुरुद्वारा कर्ते परवान साहिब में की गई थीं। काबुल के सिख फोरम ने इस बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी दी है।

लोगों से बदसलूकी

इंडिया वर्ल्ड फोरम के प्रेसिडेंट पुनीत सिंह चंडोक ने सोशल मीडिया पर लिखा- तालिबान की स्पेशल यूनिट के भारी हथियारों से लैस कुछ लोग शुक्रवार को काबुल के गुरुद्वारा दशमेश पिता पहुंचे। उन्होंने यहां मौजूद लोगों से बदसलूकी की। इसके अलावा गुरुद्वारे के सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ मारपीट की गई। तालिबानियों ने पूरे परिसर की तलाशी ली। इसके बाद वो यहां के कम्युनिटी स्कूल पहुंचे जो परिसर के बाहरी हिस्से में मौजूद है। यहां भी तलाशी ली गई और मौजूद लोगों से बदतमीजी की गई।

गार्ड्स को धमकी

सिख समुदाय ने गुरुद्वारे की सुरक्षा के लिए प्राईवेट सिक्योरिटी एजेंसी की मदद ली है। तालिबानी जब यहां पहुंचे तो गार्ड्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके जवाब में तालिबानियों ने उनके साथ मारपीट की। सिक्योरिटी गार्ड्स को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दी गई। गुरुद्वारे और स्कूल की तलाशी के बाद आतंकी पूर्व सांसद नरिंदर सिंह खालसा के घर पहुंचे। खासला का घर भी गुरुद्वारे से कुछ दूरी पर है। उनके घर की भी तलाशी ली गई। 15 अगस्त को काबुल पर कब्जे के बाद नरिंदर परिवार के साथ भारत आ गए थे। तालिबान की इस हरकत पर सिख समुदाय नाराज है। उनके साथ कुछ हिंदू समुदाय के लोग भी मौजूद थे। तालिबान की तरफ से अब तक इस बारे में किसी तरह का बयान जारी नहीं किया गया है। 10 पहले भी यही हरकत की थी 5 अक्टूबर को काबुल के ही कर्ते परवान गुरुद्वारे में तालिबान ने यही हरकत की थी। तब वहां कई सिख मौजूद थे। इनमें से कुछ यहां स्थायी रूप से रहते हैं और कुछ हाल ही में यहां हिंसा से बचने के लिए शरणार्थी के तौर पर आए हैं।

US के अलबामा में चल रहा था फुटबॉल मैच, अचानक होने लगी फायरिंग; 4 लोग घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका के अलबामा राज्य में एक फुटबॉल स्टेडियम में एक अज्ञात हमलावर की फायरिंग में 4 लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर है। घायलों में 2 नाबालिग शामिल हैं। हादसा अलबामा के मोबाइल शहर में लैड-पीबल्स स्टेडियम में शुक्रवार रात 10 बजे हुआ जब दो हाईस्कूल टीमों के बीच फुटबॉल मैच खेला जा रहा था। पुलिस ने बताया कि हमलावर ने 5 से 7 गोलियां दागीं।

स्टेडियम में मच गई भगदड़: मैच बस खत्म ही होने वाला था जब स्टेडियम में गोलियां चलने लगीं। फायरिंग की आवाज सुनकर खिलाड़ियों और दर्शकों में भगदड़ मच गई। घटना के वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि कैसे घबराए लोग स्टेडियम में इधर से उधर भाग रहे हैं, वहीं खिलाड़ी जमीन पर ही लेटे नजर आ रहे हैं।

हमले में कई लोगों के शामिल होने की आशंका: पुलिस का मानना है कि इस हमले को किसी एक शख्स ने अंजाम नहीं दिया है। इसमें कई लोगों शामिल हो सकते हैं, भले ही फायरिंग किसी एक ने की हो। फिलहाल शूटर की पहचान नहीं हो पाई है।

इस स्टेडियम में पहले भी हो चुकी है मास शूटिंग: इसी स्टेडियम में अगस्त 2019 को भी मास शूटिंग हुई थाी, जिसमें 9 लोग जख्मी हुए थे। हादसे के बाद 17 साल के लड़के ने आत्मसमपर्ण कर दिया था। उसे हत्या की कोशिश का दोषी पाया गया था।

अक्षय कुमार की फिल्म गोरखा का पोस्टर रिलीज, मेजर जनरल इयान कार्डोजो के रूप में दिखे खिलाड़ी कुमार

नई दिल्ली। अतरंगी रे और रक्षा बंधन के बाद, अक्षय कुमार और आनंद एल राय की तीसरी फिल्म गोरखा का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। यह भारतीय सेना की गोरखा रेजिमेंट 5वीं गोरखा राइफल्स के एक महान अफसर मेजर जनरल इयान कार्डोजो के जीवन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संजय पूरन सिंह चौहान करेंगे। इयान कोर्डोजो की बात करें तो उन्होंने 1962, 1965 के युद्धों में और विशेष रूप से 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में लड़ाई लड़ी थी। दशहरे के मौके पर अक्षय ने फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, कभी-कभी आपके सामने ऐसी कहानियां आती हैं जो इतनी प्रेरणादायक होती हैं कि आप उन्हें बनाना चाहते हैं।

परोपकार
भी, रोजगार भी
प्रति माह
50 हज़ार या अधिक भी
अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी,
बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन 21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR
हरित वीर वाहिनी
www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

मिल गया टीम इंडिया को नया कोच : राहुल द्रविड़ टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से 2023 के वर्ल्ड कप तक रहेंगे कोच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ अब भारतीय क्रिकेट टीम के कोच होंगे। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद वो टीम के साथ जुड़ेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी खबर के अनुसार शुक्रवार को आईपीएल फाइनल के दौरान द्रविड़ कोच बनने के लिए सहमत हुए। दुबई में बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह ने द्रविड़ के साथ बैठक की और उन्हें टी-20 विश्व कप के बाद टीम के साथ जुड़ने को कहा। द्रविड़ 2023 वर्ल्ड कप तक टीम के कोच बने रहेंगे। द्रविड़ के अलावा पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच चुना गया है। उनका कार्यकाल भी 2023 के वर्ल्ड कप तक होगा।

नेशनल क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष हैं राहुल

द्रविड़ अभी नेशनल क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष हैं। शुक्रवार रात आईपीएल फाइनल के दौरान बीसीसीआइ अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, राहुल द्रविड़ भारतीय टीम के हेड कोच बनेंगे। वह जल्द ही NCA चीफ पद से इस्तीफा दे देंगे। वहीं, गेंदबाजी

कोच के तौर पर द्रविड़ के साथ कई सालों से काम कर रहे पारस म्हाम्ब्रे को नियुक्त किया गया है। वह भरत अरुण की जगह टीम का हिस्सा बनेंगे। फील्डिंग कोच आर. श्रीधर के रिप्लेसमेंट पर कोई फैसला नहीं किया गया है। वहीं, विक्रम राठौर टीम के बैटिंग कोच बने रहेंगे। द्रविड़ कुछ दिन पहले श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया के कोच थे।

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद शास्त्री नहीं होंगे

बता दें, टी-20 वर्ल्ड कप के बाद शास्त्री के साथ गेंदबाजी कोच भरत अरुण और फील्डिंग कोच आर. श्रीधर का कार्यकाल खत्म हो रहा है। रवि शास्त्री 2017 से टीम इंडिया के कोच हैं। 2019 में उनके करार को बढ़ाया गया था। रवि शास्त्री और विराट के बीच टीम इंडिया ने टेस्ट में विदेशी धरती पर शानदार प्रदर्शन किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सीरीज पर कब्जा जमाया। वहीं, इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे रही। पहली बार आयोजित वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी टीम पहुंची। हालांकि, न्यूजीलैंड से टीम को हार का सामना करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

धोनी खेलेंगे आईपीएल का अगला सीजन

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2021 के फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स को 27 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही CSK ने चौथी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। मैच के बाद कमेंटेटर हर्षा भोगले ने चेन्नई के कप्तान धोनी से जब पूछा कि आप अपने पीछे एक विरासत छोड़कर जा रहे हैं। इस पर धोनी ने मजेदार जवाब दिया है। धोनी बोले कि उन्होंने अब तक आईपीएल छोड़ा नहीं है। ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 40 साल के हो चुके धोनी के लिए आईपीएल 2021 आखिरी सीजन साबित हो सकता है, लेकिन उनके जवाब से तो ऐसा नहीं लग रहा कि वह अपना आखिरी सीजन खेल रहे थे। हर्षा भोगले ने धोनी से पूछा, आपने जो इतने सालों से टीम के लिए शानदार काम किया उसके लिए शुक्रिया। आप अपने पीछे एक विरासत छोड़कर जा रहे हैं। धोनी ने हर्षा को तुरंत हंसते हुए जवाब दिया, लेकिन मैंने अभी तक छोड़ा नहीं है। इसके बाद धोनी ने फैंस को शुक्रिया कहा और बोले कि जहां भी हम खेले हैं, यहां तक कि जब हम दक्षिण अफ्रीका में थे, तब भी हमारे पास चेन्नई के फैंस की काफी अच्छी संख्या थी। आप उसी के लिए तरसते हैं। उन सभी की बदौलत ऐसा लगता है कि हम चेन्नई में खेल रहे हैं। उम्मीद है कि हम फैंस के लिए चेन्नई वापस आएंगे।

इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे नॉरी और दिमित्रोव

इंडियन वेल्स। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी ने 11वीं वरीयता प्राप्त डिएगो श्वार्त्जमैन को 6.0, 6.2 से हराकर बीएनपी परीबस ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं महिला वर्ग में 12वीं वरीयता प्राप्त ओंस जाबेउर भी सेमीफाइनल में पहुंच गई जिन्होंने एनेट कोंटावेट को 7.5, 6.3 से हराया। इस जीत के बाद ट्यूनीशिया की यह खिलाड़ी पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच जाएगी। दसवीं रैंकिंग वाली एंजेलिक कर्बर को 21वीं रैंकिंग प्राप्त पाउला बाडोसा ने 6.4, 7.5 से हराया। बाडोसा ने इससे पहले कोको गॉ और बारबरा क्रेइसिकोवा को मात दी थी । वह सेमीफाइनल में जाबेउर से खेलेंगी। दूसरे सेमीफाइनल में विक्टोरिया अजारेंका का सामना येलेना ओस्टापेंको से होगा। पुरूष वर्ग में 23वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव ने आठवीं रैंकिंग वाले हुबर्ट हुरकाज को 3.6, 6.4, 7.6 से मात दी।

3 साल बाद धोनी ने फिर चेन्नई को बनाया बादशाह

फाइनल में कोलकाता को 27 रन से हराकर CSK ने चौथी बार जीता आईपीएल का खिताब

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शुक्रवार की शाम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बहुत यादगार रही। चेन्नई ने आईपीएल 2021 के फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स को 27 रनों से हराकर चौथी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टॉस गंवाकर पहले खेलते हुए चेन्नई ने 192/3 का स्कोर बनाया। टीम के लिए फाफ डुप्लेसिस (86) टॉप स्कोरर रहे। 193 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए कोलकाता 165/9 का स्कोर ही बना सकी और मुकाबला 27 रनों से हरा गई।

धोनी के सुपर किंग्स ने इससे पहले साल 2010 में मुंबई इंडियंस, 2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (बेंगलुरू) और 2018 में सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा।) को हराकर आईपीएल खिताब जीता था।

चैंपियन की तरह खेली CSK?

टॉस हारकर पहले खेलते हुए सीएसके की शुरुआत बढ़िया रही। पहले विकेट के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और फाफ डुप्लेसिस ने 8 ओवर में 61 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप को सुनील नरेन ने ऋतुराज (32) को आउट कर तोड़ा। नरेन ने इसके बाद रॉबिन उथप्पा (31) की विकेट चटकाई। फाफ डुप्लेसिस ने 59 गेंद पर (86) रन बनाए जबकि मोइन अली ने सिर्फ 20 गेंदों पर (37) रनों की नाबाद पारी खेली। 20 ओवर में टीम ने 192/3 का स्कोर बनाया।

जीत सकती थी कोलकाता

टारगेट का पीछा करते हुए कोलकाता की शुरुआत शानदार देखने को मिली। पहले विकेट के लिए वेंकटेश अय्यर और शुभमन गिल ने 91 रन जोड़े। इस साझेदारी को तोड़ने का काम शार्दूल ठाकुर ने अय्यर (50) को आउट कर किया। इसी ओवर में उन्होंने नितीश राणा (0) की विकेट चटकाई। अगले ही ओवर में हेजलवुड ने सुनील नरेन (2) को पवेलियन भेज दिया। अब कोलकाता का स्कोर 97/3 था। 108 के स्कोर पर टीम ने शुभमन गिल (51) की विकेट गंवाई। गिल के विकेट के बाद कोलकाता के अगले चार विकेट सिर्फ 17 रनों के अंदर गिरे। दिनेश कार्तिक (9), शाकिब अल हसन (0), राहुल त्रिपाठी (2) और कैप्टन मोर्गन (4) के स्कोर पर पवेलियन लौटे।

200वें मैच में चमके जडेजा

आईपीएल में अपना 200वां मुकाबला खेल रहे रवींद्र जडेजा ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को खासा प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। कार्तिक और शाकिब की विकेट तो उन्होंने लगातार दो गेंदों पर चटकाए। सीएसके के युवा ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ ने इस सीजन में ऑरेंज कैप पर अपना कब्जा जमा लिया है।

पाकिस्तान में खेलेगा भारत!

2023 में पाकिस्तान करेगा एशिया कप की मेजबानी, एसीसी के फैसले को जय शाह का भी समर्थन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पाकिस्तान 2023 में होने वाले क्रिकेट एशिया कप की मेजबानी करेगा। दुबई में हुई एक बैठक में एशियन क्रिकेट काउंसिल ने यह फैसला लिया है। आईसीसी के अध्यक्ष और बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने भी इस फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में होगा। इसके अलावा यह भी फैसला लिया गया है कि 2024 के एशिया कप को श्रीलंका होस्ट करेगा और उसे टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। जय शाह ने कहा कि किसी दूसरे देश की जगह एशिया कप पाकिस्तान में ही होना चाहिए। खबरों के मुताबिक तो PCB और बीसीसीआईने भी इस फैसले की पुष्टि कर दी है।

अभी भारत ही एशिया का चैंपियन

एशिया कप की वजह से टीम इंडिया भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है। पिछली बार भारत ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। इस बार जय शाह ने इस टूर्नामेंट के लिए जो अप्रोच दिखाया है, उससे लग रहा है कि भारत मैच खेलने पाकिस्तान जा सकता है।

इस बीच खबरें हैं कि जय शाह ने PCB चीफ रमीज राजा को आईपीएल फाइनल देखने के लिए बुलाया था। हालांकि, रमीज निजी कारणों से नहीं आ पाए थे। पिछली बार 2018 में एशिया कप का आयोजन UAE में किया गया था। इसमें भारत ने बांग्लादेश को हराकर खिताब अपने नाम किया था। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने हाल में पाकिस्तान के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। वहीं पाकिस्तान को एशिया कप होस्ट करने का मौका मिला है। PCB के नए अध्यक्ष रमीज राजा ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया है। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 अक्टूबर-नवंबर में होने वाला है, इसलिए एशिया कप उस साल के बीच में कराया जाएगा। साल के शुरुआती दिनों में आईपीएल खेला जाता है। वहीं, अगले साल ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप भी खेला जाना है। एशिया कप इन बड़े टूर्नामेंट से मेल खा रहा था। ऐसे में,ष्ट इस ग्लोबल इवेंट से पहले एशिया कप को होस्ट करना चाहती है।

चार महीने की प्रेग्रेंट हैं साक्षी धोनी, रैना की पत्नी ने किया खुलासा

महेंद्र सिंह धोनी दोबारा पिता बनेंगे। बीते दिनों चेन्नई सुपर किंग्स को आई.पी.एल. का खिताब दिलाने वाले महेंद्र सिंह धोनी जीत के जश्र के दौरान पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ मैदान पर दिखे थे। इस दौरान सभी फैंस की नजरें बार-बार साक्षी धोनी पर जा रही थीं। इसी बीच चेन्नई के ही सुरेश रैना की पत्नी प्रियंका ने कंफर्म कर दिया कि साक्षी चार महीने की प्रेग्रेंट हैं। यानी आगामी आई.पी.एल. 2022 के दौरान पिता बन सकते हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

सौराष्ट्र के युवा क्रिकेटर पूर्व भारतीय अंडर-19 के कप्तान अवि बारोट का 29 साल की उम्र में दिल का दौड़ा पड़ने से निधन

क्रिकेट जगत में शौक की लहर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पूर्व भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान अवि बारोट का दिल का दौड़ा पड़ने से 29 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसीएशन ने बरोट के निधन को लेकर आज अपना बयान जारी किया है। एसोसिएशन ने बरोट को एक प्रतिभावान खिलाड़ी बताते हुए उनके आकस्मिक निधन पर शोक जताया है। युवा क्रिकेटर के आकस्मिक निधन से पूरा क्रिकेट जगत भी सदमे में है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर ने भी बरोट के निधन पर शोक जताया है। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसीएशन ने आज अवि बारोट के निधन की जानकारी देते

हुए कहा, हम अवि बारोट के आकस्मिक निधन के बाद गहरे सदमे और दुख में हैं। बारोट एक शानदार और बेहद ही प्रतिभावान क्रिकेटर थे। एसोसिएशन के अध्यक्ष जयदेव शाह ने कहा, अवि बारोट के इस तरह अचानक हुए निधन का सुनकर हर कोई सदमे में है। उनकी क्रिकेट स्किलस कमाल की थी साथ ही वो एक जानदार खिलाड़ी भी थे। सभी डोमेस्टिक मैचों में उनका प्रदर्शन जबरदस्त रहा है। वो बेहद ही मिलनसार और अच्छे दिल के इंसान थे। उनके निधन से हम सभी गहरे सदमे में हैं।

खिताबी टीम के हिस्सा थे

29 साल के बारोट साल 2020 की रणजी ट्रॉफी विजेता सौराष्ट्र की टीम के भी सदस्य थे। वह 2019-20 सीजन में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली सौराष्ट्र टीम के मेंबर भी थे, जिसने बंगाल को हराकर खिताब जीता था। उन्होंने सौराष्ट्र के लिए 21 रणजी ट्रॉफी मैच, 17 लिस्ट-ए और 11 डोमेस्टिक टी20 मैच खेले थे। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर ने भी अवि बारोट के निधन पर शोक जताते हुए कहा, अवि बारोट के निधन का सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ है। 29 साल की उम्र में कार्डिएक अरेस्ट, ये दिल तोड़ देने वाला है। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि भगवान उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति देगा। अवि बारोट ने साल 2011 में भारत की अंडर-19 टीम की कप्तानी की थी। इसी साल उन्हें बीसीसीआई ने अंडर-19 वर्ग में क्रिकेटर ऑफ द ईयर के अवॉर्ड से नवाजा था। अपने छोटे से करियर में बारोट ने कुल 38 फर्स्ट क्लास मैच, 17 लिस्ट ए और 20 टी-20 मुकाबलों में शिरकत की थी। फर्स्ट क्लास करियर में बारोट ने 48.49 के शानदार औसत से 1547 रन स्कोर किए थे।

न्यूज़ ब्रीफ

महंगाई से बढ़ेगा शेयरों में जोखिम

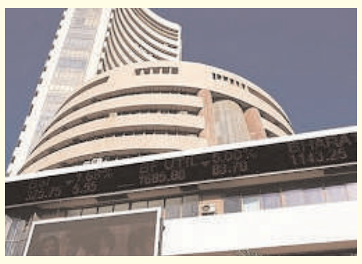

नई दिल्ली। महंगाई में तेजी रहने की आशंका के बीच विश्लेषकों ने दुनिया भर के शेयर बाजारों पर इसके असर के बारे में आगाह किया है। जिंस, खास तौर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से यह चिंता और बढ़ गई है। कच्चा तेल इस हफ्ते 84 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया जो तीन साल में इसका उच्चतम स्तर है और एक साल पहले से इसके दाम करीब 96 फीसदी बढ़ चुके हैं। जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटजी के वैश्विक प्रमुख क्रिस्टोफर वुड ने हाल ही में निवेशकों को लिखे नोट में कहा है, %इन सबका मतलब शेयरों में जोखिम का बढना़ है, विशेष तौर पर उच्च मूल्य वाले शेयरों में। मुद्रास्फीति बढने् और फेडरल रिजर्व द्वारा नीतियों को सख्त किए जाने की चिंता में बिकवाली शुरू हो सकती है। कच्चे तेल के दाम में ऐसी ही तेजी बनी रही तो मुद्रास्फीति में जोरदार उछाल आ सकती है। कोविड महामारी के मद्देनजर अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए फेडरल रिजर्व सहित दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने मौद्रिक नीतियों को नरम बनाया था। इससे उभरते बाजारों के शेयरों को बहुत फायदा हुआ है। इस साल सेंसेक्स 28 फीसदी से ज्यादा और निफ्टी 31 फीसदी मजबूत हुआ है। मिड और स्मॉल कैप में भी जबरदस्त तेजी आई है। इस साल अब तक मिडकैप 50 फीसदी और स्मॉलकैप 65 फीसदी से ज्यादा चढ़ चुका है। दूसरी ओर कच्चे तेल और कोयले तथा गैस के दाम में तेजी ने ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं को चिंतित कर दिया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है क्योंकि बिजली उत्पादन के लिए यह काफी हद तक कोयला पर निर्भर है। नोमुरा के विश्लेषकों ने भी मुद्रास्फीति को लेकर इसी तरह के विचार साझा किए हैं। नोमुरा के वैश्विक वृहद आंकड़ों के शोध प्रमुख और बाजार शोध के सह-प्रमुख रॉब सुब्बारमन ने रेबेका वांग के साथ तैयार अपनी रिपोर्ट में कहा है, %आपूर्ति पक्ष की ओर से किल्लत - सेमीकंडक्टर से लेकर ऊर्जा तक की कमी और प्रोत्साहन की नीति जारी रहने तथा अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार से बेरोजगारी दर कम होगी।

भारतीय ध्वज लगाने की अनिवार्य मियाद हो सकती है कम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार भारतीय नौवहन निगम के जहाजों पर भारतीय ध्वज की अनिवार्यता समाप्त करने की समय सीमा अब घटाकर 5 वर्षों से कम कर सकती है। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की इस इकाई का निजीकरण अंजाम तक पहुंचाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रही है, इसलिए ध्वज हटाने की समय सीमा कम की जा सकती है। एससीआई के जहाजों पर राष्ट्रध्वज लगाना अनिवार्य है मगर संभावित खरीदारों को यह बात रास नहीं आ रही थी। इस बारे में अधिकारियों ने बताया कि कराधान और जहाज पंजीकरण पर आने वाले खर्च की वजह से सरकार और संभावित बोलीदाताओं के बीच इस विषय पर विवाद खड़ा हो गया था।

जियो ने टेलीकॉम की 10 कंपनियों को खत्म किया

5 साल में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी बनी, तीन सालों में 1 लाख करोड़ का रेवेन्यू कमा सकती है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो विश्व में दूसरे नंबर की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। महज 5 साल पहले शुरू हुई यह कंपनी इस समय 69 हजार करोड़ का रेवेन्यू कमाती है जबकि अगले तीन साल में यह 1 लाख करोड़ का रेवेन्यू कमाने लगेगी।

रिलायंस जियो को 2016 में लॉन्च किया गया था

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रिलायंस जियो को 2016 में लॉन्च किया था। यह इस समय भारत में 43 करोड़ ग्राहकों के साथ 37 फीसदी बाजार के हिस्से पर काबिज है। रेवेन्यू के मामले में इसका हिस्सा 39 फीसदी है। रिलायंस जियो इंफोकॉम के नाम से रिलायंस इस टेलीकॉम कंपनी को चलाती है। जियो की शुरुआत 5 सितंबर 2016 को हुई थी और जियो वेलकम ऑफर से इसे लॉन्च किया गया था।

जापान में एक जीबी डेटा के लिए 30 डॉलर लगता था

जियो की लॉन्चिंग के समय जापान में एक जीबी डेटा के लिए 30 डॉलर लगता था। कोरिया में 18 डॉलर का चार्ज लगता था।च, चीन और जर्मनी में 15-15 डॉलर चार्ज लगता था, अमेरिका में 10 और भारत में 4 डॉलर का चार्ज लगता था। पर जियो ने इसे एक डॉलर के चार्ज में लॉन्च किया। इस ऑफर के तहत 4 जी सेवाएं ग्राहकों को पहले 3 महीने तक मुफ्त में दी गईं फिर इसे मार्च 2017 तक बढ़ा दिया गया। इस दौरान कंपनी पहले महीने में 1.6 करोड़ ग्राहक जोड़े। 83 दिनों में 5 करोड़ ग्राहक बने और 170 दिनों (21 फरवरी 2017तक) में 10 करोड़ ग्राहक बने।

1 दिसंबर 2016 को हैप्पी न्यू ऑफर लॉन्च किया

21 अक्टूबर 2016 को रिलायंस रिटेल ने Lyf Fv VoLTE फीचर फोन को लॉन्च किया। 1 दिसंबर 2016 को कंपनी ने हैप्पी न्यू ऑफर लॉन्च किया। एक अप्रैल 2017 को कंपनी ने फ्री ऑफर को बंद कर दिया और 149 व 4,999 रुपए का मासिक प्लान लॉन्च किया। इस दौरान जियो प्राइम के ग्राहकों की संख्या 7 करोड़ को पार कर गई। 6 अप्रैल 2017 को कंपनी को टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने तीन महीने वाले फ्री बेनेफिट्स को बंद करने का आदेश दिया।

जापान में एक GB के लिए 30 डॉलर लगता था

कोरिया में 18 डॉलर, यूके, चीन और जर्मनी में 15-15 डॉलर चार्ज था

अमेरिका में 10 डॉलर चार्ज लगता था, जियो ने 1 डॉलर से शुरू किया

11 अप्रैल 2017 को धन धना धन प्लान लॉन्च

11 अप्रैल 2017 को जियो ने धन धना धन प्लान लॉन्च किया जो 309 रुपए महीना था। 28 दिसंबर 2017 को रिलायंस कम्युनिकेशन की वायरलेस इंफ्रा असेट्स को कंपनी ने ले लिया। रिलायंस कम्युनिकेशन अनिल अंबानी की कंपनी थी। 25 जनवरी 2018 को जियो फोन प्लान लॉन्च हुआ जो 49 रुपए महीना का था।

जियो प्राइम ग्राहकों की संख्या 17.5 करोड़ हुई

30 मार्च 2018 को कंपनी के जियो प्राइम ग्राहकों की संख्या 17.5 करोड़ हुई और इस मेंबरशिप को बढ़ाकर 31 मार्च 2019 तक कर दिया गया। 10 मई 2018 को इसने जियो पोस्टपेड सेवा को 199 रुपए मासिक के साथ शुरू की। 17 अक्टूबर 2018 को इसने डाटाकॉम, डेन नेटवर्क और हैथवे केबल में निवेश की घोषणा की।

2019 में कंपनी ने जियो फाइबर की शुरुआत की

5 सितंबर 2019 को कंपनी ने जियो फाइबर की शुरुआत की और 8,499 तथा 699 रुपए महीना का प्लान लॉन्च किया। 25 अक्टूबर 2019 को इसने जियो प्लेटफॉर्म को सेटअप किया। 19 जून 2020 में कंपनी ने कहा कि उसे वैश्विक निवेशकों से 115,693 करोड़ रुपए निवेश के तौर पर मिले हैं। इसने मार्च 2021 में 57,123 करोड रुपए का स्पेक्ट्रम भी खरीदा।

कोविड-19 का असर : एयर इंडिया को एफवाई 21 में 7,017 करोड़ रुपए का लॉस, रेवेन्यू में भी बड़ी गिरावट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

एयर इंडिया ने फाइनेंशियल ईयर 2020-21 के दौरान टैक्स कटौती के बाद 7,017 करोड़ रुपए का लॉस रिपोर्ट किया। कोविड-19 की वजह से लगाए गए प्रतिबंधों के कारण ये लॉस हुआ है। हालांकि ये लॉस एक साल पहले की तुलना में कम है। 2019-20 में एयर इंडिया ने 7,766 रुपए का लॉस रिपोर्ट किया था। एयर इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने गुरुवार को फर्म के ऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स को मंजूरी देने के लिए मीटिंग की थी। एयर इंडिया ने FY 21 में कम लॉस रिपोर्ट किया क्योंकि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इसके खर्चों में काफी गिरावट आई है। एयर इंडिया का एक्सपेंस 2020-21 में घटकर 19,083.33 करोड़ रुपए रह गया, जो 2019-20 में 36,290.17 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2015 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष के दौरान राष्ट्रीय वाहक का राजस्व भी गिर गया। इसका रेवेन्यू भी FY20 के 28,524.44 करोड़ रुपए से घटकर पिछले वित्त वर्ष के दौरान 12,104.05 करोड़ रुपए हो गया। सिविल एविएशन सेक्रेटरी राजीव बंसल ने कहा कि एयर इंडिया का डिसइनवेस्टमेंट अगले 10 हफ्तों में पूरा होने की संभावना है और तब तक केवल आवश्यक रेवेन्यू और कैपिटल एक्सपेंस ही किया जाने चाहिए। बंसल के पास एयर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर का भी प्रभार है। बंसल ने कहा, एयरलाइन की डिसइनवेस्टमेंट प्रोसेस अपने अंतिम चरण में है और टाटा लेटर ऑफ इंटेंट पहले ही किया जा चुका है। शुक्रवार को, सरकार ने 18,000 करोड़ रुपए के एंटरप्राइस वैल्यू पर टाटा ग्रुप को नेशनल कैरियर की बिक्री की घोषणा की थी। इसके साथ ही एयर इंडिया की 68 साल बाद टाटा ग्रुप में वापसी हुई है।

भारत को सीख लेने की जरूरत

नई दिल्ली। चीन ने संकट से घिरे बिजली क्षेत्र के लिए बड़े नीतिगत बदलाव की घोषणा करते हुए कोयला से चलने वाले बिजली संयंत्रों को अपन औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों से बाजार से जुड़े दाम लेने की अनुमति दे दी है। चीन के राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग (एनडीआरसी) ने कहा है कि कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों से उत्पादित बिजली की कीमत 15 अक्टूबर से बाजार में कारोबार के मुताबिक तय होगी। इसके माध्यम से कोयले की ज्यादा लागत का बोझ बिजली की अंतिम कीमत पर डाला गया है और इसे चीन के बिजली क्षेत्र में बड़ा सुधार माना जा रहा है। भारत भी कोयला और बिजली संकट से गुजर रहा है, जिसे चीन के कदमों से सीखने की जरूरत है क्योंकि घरेलू कोयले की कमी सिर्फ बिजली क्षेत्र के लिए चिंता का विषय नहीं है।

इस हफ्ते बढ़ी सोने-चांदी की चमक, सोना 48 और चांदी 63 हजार के पार पहुंची

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

त्योहारी सीजन में सोने-चांदी की चमक फिर बढ़ने लगी है। इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में अच्छी खासी बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते सोना 1,159 रुपए महंगा होकर 48,125 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 46,966 रुपए पर था।

1,900 रुपए से ज्यादा महंगी हुई चांदी:- सर्राफा बाजार में चांदी 1,915 रुपए महंगी होकर 63,290 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 61,375 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

अक्टूबर में अब तक सोना 1,658 और चांदी 3,882 रुपए महंगी हुई:- सर्राफा बाजार में इस महीने अब तक सोना 1,658 रुपए महंगा हो चुका है। 1 अक्टूबर को ये 46,467 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 48,125 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी की बात करें तो ये 1 अक्टूबर को 59,408 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी जो अब 63,290 रुपए पर पहुंच गई है। यानी अक्टूबर में अब तक चांदी 3,882 रुपए महंगी हो चुकी है।

बढ़ने लगी है सोने की मांग: - त्योहारों के बीच देश में सोने की मांग पटरी पर लौट आई है। बीते महीने यानी सितंबर में 91 टन सोने का आयात हुआ। यह सितंबर 2020 के मुकाबले 658 फीसदी और कोविड महामारी शुरू होने से पहले यानी सितंबर 2019 के मुकाबले 250 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल के मुकाबले सोने की कीमतों में 20 फीसदी कमी और इस साल त्योहारों में बेहतर मांग की संभावना ने सोना आयात बढ़ा दिया है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required

POSTINGS AT BHOPAL MP

- SALES AD TEAM LEADER
  5 years experience in print media
- EXECUTIVE SPACE SALES
  Degree in any discipline, prefer BBA
- News Reporter
  Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days